सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 38 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 21 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

# एसआईआर फॉर्म के बहाने साइबर ठगी का खतरा बढ़ा: निर्वाचन कार्यालय ने जारी किया अलर्ट

■ **छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मतदाताओं से सतर्क रहने की अपील**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान एसआईआर फॉर्म भरने वाले नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। हाल ही में कई राज्यों में ओटीपी से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायतें सामने आने के बाद यह चेतावनी जारी की गई है।

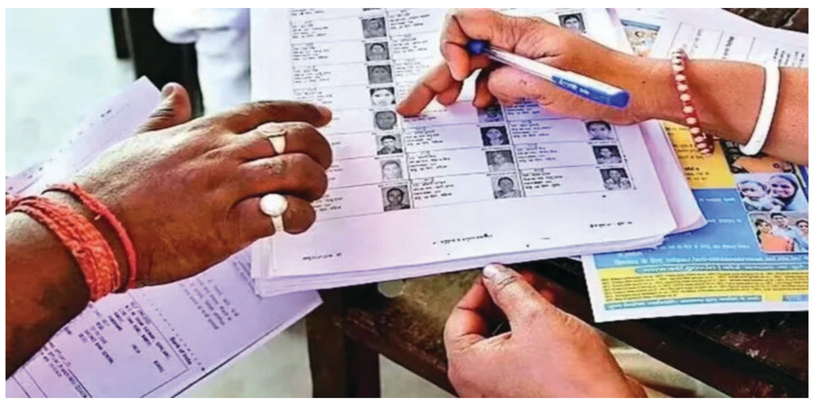

निर्वाचन कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर फॉर्म भरते समय मोबाइल नंबर देना बिल्कुल सुरक्षित प्रक्रिया है, लेकिन इस बीच कुछ असामाजिक तत्व मोबाइल नंबर का दुरुपयोग करने की कोशिश कर सकते हैं। विशेष रूप से ओटीपी फ्रॉड के मामले बढ़ने की आशंका को देखते हुए विभाग ने नागरिकों को आगाह किया है कि किसी भी स्थिति में अपने मोबाइल पर आने वाला ओटीपी किसी अजनबी को न बताएं।

अधिकारियों ने कहा है कि बूथ लेवल ऑफिसर के माध्यम से स्ङ्क्रफॉर्म भरने के दौरान किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती। न तो विभाग का कोई कर्मचारी और न ही क्ख्ह नागरिकों से ओटीपी मांगता है। यदि कोई व्यक्ति कॉल कर यह दावा करे कि स्ङ्क्र फॉर्म से जुड़ा ओटीपी साझा करना आवश्यक है, तो उसे तुरंत इंकार कर दिया जाए और वह बातचीत तुरंत समाप्त कर दें।

## दबाव बनाने पर तत्काल करें थाने में शिकायत

निर्वाचन कार्यालय ने कहा कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ओटीपी मांगने के लिए दबाव बनाता है या किसी तरह की धमकी देता है, तो नागरिक तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। साइबर ठग अक्सर आधिकारिक प्रक्रिया का नाम लेकर बात करते हैं, इसलिए नागरिकों को सलाह दी गई है कि ऐसे मामलों में सीधे अपने बीएलओ या निर्वाचन कार्यालय से संपर्क कर जानकारी की पुष्टि करें। पिछले कुछ समय से लोगों से ओटीपी लेकर उनके मोबाइल नंबर से जुड़े कई डिजिटल खातों में अनाधिकृत पहुंच बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## नागरिकों की सावधानी ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा

निर्वाचन विभाग ने कहा कि नागरिकों की सावधानी ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। विभाग ने मतदाताओं से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या ओटीपी मांगने वाले व्यक्तियों से तुरंत दूरी बनाएं और आवश्यक होने पर पुलिस से संपर्क करें। सूचना के साथ विभाग ने यह भी बताया कि अधिक जानकारी या शिकायत के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा विभाग अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम पर भी अपडेट साझा कर रहा है।

## खास-खबर

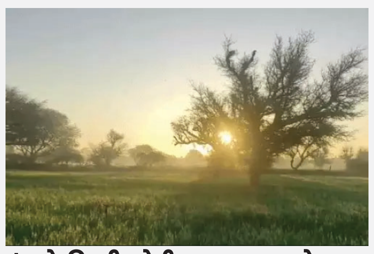

### ठंड से मिली थोड़ी राहत, अगले 5 दिन तक 2-3 डिग्री बढ़ेगा तापमान

**रायपुर।** मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी की संभावना जताई है। इससे आने वाले दिनों में ठंड में थोड़ी कमी देखी जा सकती है। बुधवार और गुरुवार को राज्य के सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की वृद्धि भी दर्ज की गई। हालांकि, इस दौरान सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के कुछ हिस्सों में शीतलहर का असर बना रह सकता है। इन क्षेत्रों में हाइपोथर्मिया का खतरा बढ़ने की आशंका है। वहीं रायगढ़ में सुबह और शाम कड़ाके की ठंड का अनुभव किया जा रहा है।

उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं के चलते राज्य में ठंड का असर लगातार बढ़ा है। मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा रहा, जहाँ रात का तापमान 11.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 7 डिग्री कम है। रायपुर में भी नवंबर में नौ साल बाद दूसरी बार न्यूनतम तापमान 13 डिग्री तक दर्ज हुआ है। पिछले 24 घंटों में राज्य का अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री दुर्ग में और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

# भिलाई-चरोदा में यात्री ट्रेन हुई डिरेल, बोगी में लगी आग, 30 से ज्यादा यात्री घायल

■ **एनडीआरएफ व फायर ब्रिगेड ने चलाया ऑपरेशन**

■ **मॉकड्रिल का पता चलते ही लोगों ने ली राहत की सांस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** दुर्ग जिले के भिलाई चरोदा स्थित डीबी यार्ड के पास शुक्रवार सुबह लगभग पौने 11 बजे ट्रेन हादसे की खबर से हड़कंप मच गया। भिलाई मार्शलिंग यार्ड से लगे उरला दुग्ध संयंत्र के पास स्पेशल पैसेंजर ट्रेन की एक बोगी डिरेल होने के बाद आग लग गई। सूचना पर पहुंची एनडीआरएफकी टीम ने बीएसपी फायर ब्रिगेड, आरपीएफ और रेलवे की दुर्घटना राहत टीम के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान डिरेल बोगी का छत काटकर 25 से 30 गंभीर व आंशिक रूप से घायल यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके पर प्राथमिक उपचार देकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

दरअसल यह कोई यह घटना सही नहीं बल्कि मॉकड्रिल था। इस बात की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे लोगों ने राहत की सांस ली। मॉकड्रिल के दौरान अधिकारियों ने यात्रियों के बचाव व राहत कार्यों का अवलोकन किया।

### बचाव कार्य के लिए वृहद स्तर पर ऑपरेशन चलाया

इसके बाद बचाव कार्य के लिए वृहद स्तर पर ऑपरेशन चलाया गया। डिरेल हुई बोगी के अंदर फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आपदा प्रबंधन टीमों ने ऊपर छत को काटकर रास्ता बनाया। फिर घायल यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल भेजा गया। इस दौरान आरपीएफ की टीम ने डॉग स्क्वायड के साथ डिरेल हुई बोगी का बारीकी से निरीक्षण किया। दुर्घटनाग्रस्त बोगी से आग की लपटे निकल रही थी। जिसे फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी की बौछार करते हुए काबू में किया। तो एक संदिग्ध बैग मिला। बम निरोधक ने भी बारीकी से डिरेल हुई बोगी की तलाशी ली। लोगों को राहत तब मिली, जब पता चला कि यह एक मॉकड्रिल था।

इससे पहले रेलवे की ओर से आपातकालीन सायरन बजने लगा। रेलवे की ओर से बीएमवाय उरला से लगे दुग्ध संयंत्र के पास स्पेशल पैसेंजर ट्रेन के डिरेल हो जाने की सूचना प्रसारित की गई। इसके साथ ही सरकारी मशीनरी एक्टिव हो गई और एडीआरएम बजरंग अग्रवाल सहित तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरपीएफ, रेलकर्मी, पुलिस, मेडिकल टीम, एम्बुलेंस, बीएसपी फायर बिग्रेड, एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंची।

### हादसे के बाद फंसे लोगों को बचाना जरूरी : अग्रवाल

रायपुर रेल मंडल के एआरएम बजरंग अग्रवाल ने बताया कि रेलवे द्वारा किसी भी आपदा प्रबंधन को परखने के लिए हर दो साल में मॉकड्रिल किया जाता है। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य यही रहता है कि दुर्घटना होने पर कैसे जल्दी से जल्दी उससे निपटा जाए। दुर्घटना में फंसे लोगों को बचाना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए मॉकड्रिल में सभी एजेंसियों ने भाग लिया। इसमें एनडीआरएफ और रेलवे की एक्सीडेंट रिलीफ टीम और एक्सीडेंट रेल मेडिकल टीम ने भाग लिया। इस दौरान सभी टीमों ने अच्छा कार्य किया। मॉकड्रिल में 25 से 30 घायलों को डिरेल बोगी से सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीक के अस्पताल में भेजने का प्रदर्शन किया गया।

# 700 से ज्यादा साइबर अपराधी गिरफ्तार 1000 करोड़ रुपए की ठगी का खुलासा

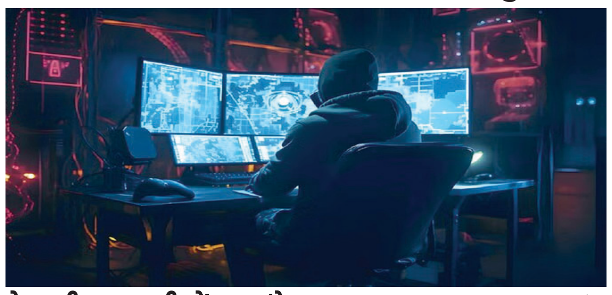

### देश की राजधानी में 48 घंटे तक पुलिस ने चलाया ऑपरेशन

**नईदिल्ली ए.।** देशभर में बीते कुछ समय से साइबर ठगी के मामलों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। साइबर ठगों ने आम लोगों की मेहनत की कमाई के न जाने कितने अरबों रुपयों को धोखे से हड़प लिया है। अब साइबर ठगी करने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर ऑपरेशन साइबर हॉक चलाया है। इस ऑपरेशन के दौरान कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ लिया है। आइए जानते हैं दिल्ली पुलिस के इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से।

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन साइबर हॉकचलाकर 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक, साइबर अपराधियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस के इस ऑपरेशन में स्पेशल सेल की ङ्कस्स्ह यूनिट, क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और दिल्ली के 15 जिलों की पुलिस शामिल रही है। दिल्ली पुलिस का ये ऑपरेशन करीब 48 घंटे यानी दो दिनों तक लगातार चला है।

दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन साइबर हॉक साइबर अपराधियों के लिए काल बनकर सामने आया है। इस ऑपरेशन के तहत पुलिस ने अब तक 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा है। पुलिस द्वारा पकड़े गए अपराधी एक बड़े साइबर नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस की जांच में करीब 1,000 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल का भी खुलासा हुआ है। इन नेटवर्क्स के जरिए साइबर अपराधियों द्वारा करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की जा रही थी।

# कोरबा और कटघोरा वन मंडल में हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, फसलें की बर्बाद, ग्रामीणों में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** वनमंडल कोरबा के करतला और बालकोनगर रेंज में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। बालको रेंज में सक्रिय 12 हाथियों का दल ग्राम सरईपाली में 10 ग्रामीणों के खेतों को तहस नहस करने के बाद ग्राम सोनगुड़ा पहुंच गया है। वहीं, करतला रेंज के ग्राम बोड़ाझाप में मौजूद हाथी आगे बढकर ग्राम सेंद्रीपाली के जंगल में डेरा डाल दिया है। हाथियों के दल ने यहां पहुंचने से पहले रास्ते में अनेक किसानों की धान फसल को बर्बाद कर दिया है। जिसका आंकलन वन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

बालको रेंजर जयंत सरकार ने बताया कि उनके रेंज में मौजूद हाथियों के अजगरबहार क्षेत्र की ओर बढने की संभावना है। वहां के स्टाफ को सतर्क कर दिया गया है और उनसे हाथियों की निगरानी के साथ क्षेत्र में मुनादी कराने की तैयारी रखने को कहा गया है। इस बीच कटघोरा वनमंडल के एतमानगर रेंज में 53 हाथी अभी भी पचरा जंगल में डेरा डाले हुए हैं। हाथियों का यह दल रात में जंगल से निकलकर गांव के निकट पहुंचता है तथा वहां खेतों में उत्पात मचाने तथा फसल को तहस-नहस करने के बाद वापस जंगल लौट जाता है। हाथियों के उत्पात से क्षेत्र के ग्रामीण हलाकान हैं। वहीं, हाथियों के डेरा डालने से उनमें दहशत भी व्याप्त है।

वहीं, कटघोरा वन मंडल के ऐतमा परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत पचरा में 53 हाथियों का विशाल झुंड पहुंच गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से पूरे ग्राम में भय का माहौल बन गया। हाथियों की आवाज और गतिविधियों को देखते हुए ग्रामीण रातभर जागकर अपनी सुरक्षा में लगे रहे। कई स्थानों पर लोगों ने आग जलाकर हाथियों की निगरानी की और उन्हें आबादी से दूर खदेड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने काफी खेतों में खड़ी फसलें रौंद दीं। जिससे किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। धान की फसल बर्बाद होने से कृषक परिवार चिंतित हैं। कुछ स्थानों पर हाथी गांव की सीमा तक आ पहुंचे, जिससे घरों को भी खतरा उत्पन्न हो गया।

# कोपरा जलाशय को मिलेगा रामसर स्थल का दर्जा

■ **राज्य वेटलैंड प्राधिकरण ने केन्द्र सरकार को भेजा प्रस्ताव**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित कोपरा जलाशय को राज्य सरकार ने प्रस्तावित रामसर स्थल घोषित करने की दिशा में बड़ी पहल की है। प्राकृतिक और मानव निर्मित विशेषताओं से युक्त यह जलाशय पूरे क्षेत्र के लिए जलसंसाधन, सिंचाई और जैव विविधता का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। इसी महत्व को देखते हुए राज्य सरकार ने इसे रामसर स्थल घोषित करने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलती है, तो कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण मिलेगा और इसका पर्यटन संबंधी महत्व और बढ़ जाएगा।

गौरतलब है कि कोपरा जलाशय मुख्य रूप से वर्षा जल और आसपास के छोटे नालों से भरता है। यह जलाशय स्थानीय ग्रामीणों की जल आवश्यकताओं को पूरा करता है और किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। जलाशय के आसपास की भूमि अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है, जिससे क्षेत्र के कई गाँवों और छोटे कस्बों की कृषि पूरी तरह इस जलाशय पर निर्भर है।

### जैव विविधता अत्यधिक समृद्ध मानी जाती है यहां की

इसके अलावा यह क्षेत्र वर्षभर विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों, जलचर जीवों और वनस्पतियों का सुरक्षित आवास बना रहता है। खासकर प्रवासी पक्षियों की बड़ी संख्या यहाँ हर वर्ष दर्ज की जाती है। जलाशय में मछलियाँ, जलीय पौधे, उभयचर, सरीसृप और अनेक प्रकार के कीट-पतंगे बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे इसकी जैव विविधता अत्यधिक समृद्ध मानी जाती है।

### दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थल

राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के अनुसार कोपरा जलाशय रिवर टर्न, कॉमन पोचार्ड और इजिप्शियन वल्चर जैसे दुर्लभ व महत्वपूर्ण पक्षियों के संरक्षण के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थान है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह जलाशय रामसर मानदंड संख्या 02, 03 और 05 की पूर्णता करता है, जो इसे एक उत्कृष्ट वेटलैंड इकोसिस्टम का उदाहरण साबित करता है।सरकारी योजनाओं के तहत इस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा ग्रामीण आजीविका विकास से जुड़ी गतिविधियों को और मजबूत करने की तैयारी है, ताकि स्थानीय आबादी और प्राकृतिक संसाधनों के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके।

# प्रवचन पंडाल से उठा तूफान

संत की परिभाषा क्या होनी चाहिए? जो अभी ठीक से मच्योर भी नहीं हुए, वो संत कहलाने लगे हैं। वो भी टीआरपी वार के शिकार हैं। कुछ न कुछ तो ऐसा बोलना है जो उन्हें सुर्खियों में लेकर आए। अखबार के भीतर के प्रवचन पन्नों से निकलकर उन्हें भी मुखपृष्ठ पर आना होता है। उन्हें तो यह तक नहीं पता होता कि जो कुछ भी वह कह रहे हैं, उसपर शेष समाज की कैसी प्रतिक्रिया आएगी। ऐसे ही एक मामले में बिलासपुर में कथावाचक आशुतोष चैतन्य की गिरफ्तारी हो गई। उनके एक भाषण के खिलाफ सतनामी समाज के युवाओं ने पुलिस के सामने नारेबाजी करते हुए जमकर हंगामा मचाया। जिला अदालत में हुए बवाल के बाद हरकत में आई पुलिस ने अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया। दरअसल, कथावाचक आशुतोष चैतन्य ने तखतपुर में आयोजित प्रवचन के कार्यक्रम में कहा था कि जो पहले सनातनी थे, वो आज सतनामी हो गए। उन मूर्खों को यह समझ नहीं आता कि सतनामी का मतलब क्या होता है। ये गायों को काट रहे हैं। कथावाचक के विवादित बयान के बाद सतनामी समाज के युवकों ने तखतपुर थाने का घेराव कर दिया था। बढ़ते विवाद के बीच पुलिस ने आशुतोष चैतन्य के खिलाफएफआईआर दर्ज की। 15 नवंबर को कथा खत्म होते ही कथा स्थल से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हिंदू संगठन से जुड़े धनंजय गोस्वामी ने कहा कि भीड़ ने संत को गाली-गलौज करते हुए पाखंडी बोला और उन्हें पीटने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने व्यवस्था संभाली, नहीं तो बड़ी घटना हो जाती। इनमें से कई लोग ऐसे हैं, जो बलौदाबाजार आगजनी कांड के आरोपी है, वो जिला कोर्ट में बलौदाबाजार जैसा माहौल बनाने का प्रयास कर रहे थे। ये चल क्या रहा है देश में और इसे हवा कौन दे रहा है? इस माहौल का फौरी राजनीतिक फायदा भले ही मिल रहा हो पर यदि इसे लंबे समय तक जारी रहने दिया गया तो यह एक नासूर बन जाएगा। एक ऐसा नासूर जिसका कोई इलाज किसी के पास नहीं होगा। घर-घर, गली मोहल्ले में बहसें तो आज भी हो रही हैं पर फिलहाल वो सब सभ्यता के दायरे में है। देश की आबादी और पुलिस फोर्स का अनुपात किसी से छिपा नहीं है। इसलिए ऐसा मान लेना गलत होगा कि रायता कोई और फैलाए और पुलिस उसे तत्काल समेट ले। जहां तक मवेशियों का सवाल है तो इनकी खाल और हड्डियों से बने उत्पादों का भरपूर उपयोग होता है। चमड़े से जहां जूते, कपड़े, बैग, बेल्ट, फर्नीचर, कार की सीटें और खेल उपकरण बनते हैं वहीं इनकी हड्डियों का उपयोग बोन चाइना क्रॉकरी, जिलेटिन, खाद और हाइड्रॉक्सीएपेटाइट कोटिंग (चिकित्सा उपकरण के लिए) होता है। हड्डियों से बोन चार बनता है, जिसका उपयोग चीनी को सफेद करने और पानी को साफकरने में होता है। पर सच्चाई से आंखें मूंदे बैठे लोगों को क्या कोई समझा सकता है?

## संपादकीय

# चुनौतियों वाली पारी

वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट-पलट को माफ ही कर दिया। संभवत: उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दु:स्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया।

> “ आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है।

वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे। यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी। भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी कि सबसे बड़े दल के रूप में उदय होने पर भी पार्टी बिहार में अब तक अपनी सरकार नहीं बना पायी है।

ऐसे में नीतीश को बाहरी विपक्षी से तो नहीं, गठबंधन के दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जूझना पड़ेगा। वहीं प्रचंड बहुमत देने पर जनता की उम्मीदें भी उफान पर रहेंगी। राजग द्वारा चुनाव के दौरान तमाम वायदे किए गए थे, लेकिन राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर इन सब वायदों को पूरा करना आसान न होगा। वहीं दूसरी ओर नीतीश के सामने उनकी सेहत और बढ़ती उम्र को लेकर भी चुनौती पैदा हो सकती है। जिसको लेकर विपक्ष पूरे चुनाव अभियान के दौरान लगातार हमलावर बना रहा है। साथ ही बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस हजार रुपये लगातार दे पाना भी परेशानी का सबब बन सकता है। वहीं गठबंधन सरकार के लिए चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन द्वारा किए गए मुफ्त अनाज, मुफ्त बिजली,मुफ्त इलाज,सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने तथा पचास लाख पक्के मकान के वायदे को हकीकत में बदलने को वित्तीय संसाधन जुटाना भी एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

---

**भारत में पर्यटन हमेशा घूमने-फिरने से कहीं ज़्यादा रहा है: यह संस्कृतियों के बीच संवाद है, प्रदेशों के बीच एक पुल है और लाखों लोगों के लिए आजीविका का साधन है। फिर भी, दशकों तक, पर्यटन क्षेत्र पर अलग-अलग टैक्स, ज़्यादा लागत और असमान विकास का बोझ रहा। हालाँकि, हाल ही में पेश की गई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की पुनर्संरचना इस गाथा को फिर से लिखने में मदद कर रही है। होटल, परिवहन और सांस्कृतिक वस्तुओं की कम दर के कारण भारत के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के विकास बहुत बढ़ावा मिला है। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि इसने आम यात्री को मज़बूत बनाया है, उनकी जेब में ज़्यादा पैसे आए हैं तथा इससे घूमने-फिरने, व्यवसाय और चिकित्सा पर्यटन पहले से कहीं ज़्यादा सस्ते हो गये हैं।**

# राजकोषीय नीति से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को बढ़ावा- जीएसटी 2.0 पर्यटन पुनरुत्थान को गति दे रहा है

**ज्ञान भूषण**
**डॉ. प्रतीक घोष**

सरल टैक्स, मज़बूत यात्रा अर्थव्यवस्था सालों से, यात्रा ऑपरेटर, होटल और परिवहन सुविधा प्रदाता कई करों, जैसे सेवा कर, वैट और लग्ज़री कर के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता था; जो सभी राज्यों में अलग-अलग होता था। 2017 में जीएसटी आने से कुछ स्पष्टता आई, लेकिन 2025 का सुधार और आगे बढ़ गया है, जिसने सरलीकरण को प्रोत्साहन में बदल दिया है। ?7,500 से कम कीमत वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना परिवर्तनकारी साबित हो रहा है। जैसा कि एक बड़े अखबार के लेख में बताया गया है, इस कदम से मध्य आय-वर्ग के परिवारों और बजट यात्रियों- जो भारत के घरेलू पर्यटन का आधार हैं- के लिए यात्रा काफी सस्ती हो गयी है। इसके अलावा, यह विदेशी यात्रियों के लिए भी काफी सुगम होगा, क्योंकि यात्रा लागतें अब दूसरे देशों के मुकाबले ज़्यादा प्रतिस्पर्धी हो गई हैं। होटल और होमस्टे ज़्यादा बुकिंग, ज़्यादा समय तक रुकने और ज़्यादा स्थानीय खर्च की रिपोर्ट दे रहे हैं। छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए, कम अनुपालन लागत और एक जैसे टैक्स फ्रेमवर्क ने व्यवसाय व्यावहारिकता को बेहतर बनाया है और औपचारिक क्षेत्र को बढ़ावा दिया है, जो पैमाने और स्थायित्व की ओर एक शांत लेकिन शक्तिशाली बदलाव है।

किफायती आवागमन: समावेश का संचालक पर्यटन, परिवहन संपर्क-सुविधा पर फलता-फूलता है। इसीलिए यात्री परिवहन, खासकर 10 से ज़्यादा सीटों वाली बसों पर जीएसटी में 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत की कटौती, एक और गेम चेंजर है। इससे पता चलता है कि इस कदम ने तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरीय और समूह यात्रा को किस प्रकार ज़्यादा आसान बना दिया है। धार्मिक क्षेत्र से लेकर इको-पर्यटन पार्क और ग्रामीण इलाकों में घूमने की जगहों तक, किफायती आवागमन ने यात्रा को आसान बनाया है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया है। एक ऐसे देश में, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करता है, वहाँ बस किराये में हुई हर बचत सशक्तिकरण का एक ज़रिया बन जाती है। सस्ते और स्वच्छ परिवहन विकल्प न सिर्फ़ पहुँच बढ़ाते हैं बल्कि प्राइवेट गाड़ियों के बजाय साझा यात्रा को बढ़ावा देकर भारत के सतत विकास लक्ष्यों में भी योगदान देते हैं।

सांस्कृतिक निवेश: शिल्पकारों को सशक्त बनाना भारत की अपील सिर्फ़ उसके परिदृश्यों या स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीती-जागती परंपराओं में भी मौजूद है। इसे मान्यता देते हुए, सरकार ने कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर भी जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। हाथ से बुनी हर कांचीपुरम साड़ी, नक्काशीदार चंदन की मूर्ति, या टेराकोटा लैंप एक कहानी कहता है और अब, हर एक शिल्प उत्पाद को सही दामों पर खरीदा जा सकता है। यहां टैक्स कम करना सिर्फ़ एक आर्थिक इशारा नहीं है। यह एक सांस्कृतिक निवेश है। यह उस विविधता को बनाए रखता है, जो भारतीय पर्यटन की आत्मा है, साथ ही यह शिल्पकारों, जिनमें से कई महिलाएं और ग्रामीण उद्यमी हैं, को आजीविका का स्थायी साधन देता है।

जीएसटी के सबसे लंबे समय तक चलने वाले फायदों में से एक है- स्पष्टता और सही अनुमान। छोटे होटल, यात्रा ऑपरेटर और यात्रा एजेंसियां अब राज्य-विशेष टैक्स को समझने के बजाय एक ही राष्ट्रीय टैक्स फ्रेमवर्क के तहत काम करती हैं। संगठित क्षेत्र बनने के प्रति यह भरोसा ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान प्रणाली के दरवाज़े खोलता है जो उन छोटे व्यवसायों के लिए जीवनरेखा है, जो कभी असंगठित तरीके से चलते थे। यह निवेशकों और उद्यमियों के बीच भरोसा भी बढ़ाता है, जिससे इको-लॉज और हेरिटेज स्टे से लेकर आरोग्य स्थल तक, यात्रा अनुभव में नवाचार होता है।

चिकित्सा पर्यटन: एक स्वस्थ प्रोत्साहन

भारत का उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र, जो पहले से ही एशिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, नए जीएसटी दरों का एक और बड़ा लाभार्थी है। होटल और परिवहन पर कम टैक्स से उन अंतर्राष्ट्रीय मरीज़ों के लिए इलाज पैकेज का खर्च सीधे तौर पर कम हो जाता है जो सस्ती कीमतों पर विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य देख-भाल के लिए भारत आते हैं। इलाज को आराम, पोषण और व्यापक देख-भाल के साथ जोड़कर एकीकृत उपचार अनुभव देने के लिए अस्पताल, आरोग्य केंद्र और आतिथ्य श्रृंखला तेज़ी से मिलकर काम कर रहे हैं। रहने की प्रतिस्पर्धी लागत और आसान यात्रा लॉजिस्टिक्स के साथ, भारत अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के उन मरीज़ों के लिए और भी मज़बूत गंतव्य बन रहा है, जो पश्चिमी देशों की तुलना में पाँचवें हिस्से के खर्च में अच्छी चिकित्सा देख-भाल चाहते हैं।

वैश्विक स्तर पर, किफ़ायती खर्च यात्रा के विकल्प तय करता है और हाल तक, भारत थाईलैंड, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों से पीछे था, जो कम होटल टैक्स और आसान उप-कर के लिए जाने जाते थे। नई जीएसटी प्रणाली इस अंतर को कम करती है। तर्कसंगत दरों के साथ, भारत अब आयुर्वेद रिट्रीट्स और इको-पर्यटन लॉज से लेकर लग्ज़री हेरिटेज होटलों तक,वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विश्व-स्तरीय अनुभव देता है। यह क्षेत्र अभी भारत की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 80 मिलियन से ज़्यादा लोगों को आजीविका देता है। लगातार टैक्स सुधार और अवसंरचना निवेश के साथ, विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह योगदान 2030 तक दोगुना हो सकता है, जिससे रोजगार, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के लिए फ़ायदे कई गुना बढ़ जाएंगे।

स्थानीय विकास, वैश्विक गाथा

आम नागरिकों के लिए, इन सुधारों के फ़ायदे बहुत व्यक्तिगत हैं। एक परिवार, जो कभी ज़्यादा होटल खर्च के कारण छुट्टियां टाल देता था, अब यात्रा को किफायती पाता है। छात्र अध्ययन यात्रा कर सकते हैं, तीर्थयात्री आरामदायक यात्रा कर सकते हैं और दूर-दराज गांवों के कारीगर अपने उत्पाद उन पर्यटकों को बेच सकते हैं, जो उनकी कला की तारीफ़ करते हैं।

सांस्कृतिक रूप से भरोसेमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत की ओर

जीएसटी रेट में बदलाव, सिर्फ़ कागज़ पर लिखी संख्या के बारे में नहीं है। यह सशक्तिकरण के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है कि हर नागरिक को भारत के व्यापक सांस्कृतिक परिदृश्य में यात्रा करने, सीखने और जुड़ने में सक्षम होना चाहिए। पर्यटन को ज़्यादा किफायती, आवागमन को ज़्यादा समावेशी, और उद्यम को ज़्यादा व्यावहारिक बनाकर, ये सुधार अर्थव्यवस्था को लोगों के करीब लाते हैं। ये स्थानीय विरासत से जुड़े रहते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रति भारत की तैयारी का भी संकेत देते हैं।

यात्री के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा छुट्टियां और बेहतर अनुभव। उद्यमी के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा अवसर। भारत के लिए, इसका मतलब है, ऐसी प्रगति जो व्यक्तिगत लगे, जहाँ हर सफ़र एक ज़्यादा जीवंत, समान और भरोसेमंद देश की ओर एक कदम बन जाए।

लेखक: ज्ञान भूषण, (आई ई एस), वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), भारत सरकार डॉ. प्रतीक घोष, विभागाध्यक्ष, डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन,चंडीगढ़

**( इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों की निजी राय हैं )**

---

# मानवीय स्वास्थ्य और फसलों के लिए चुनौती

**पंकज चतुर्वेदी**

शीत लहर का सबसे सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ता है। महानगरों में जलवायु, कोहरा और वायु प्रदूषण इसका स्थायी कुप्रभाव है। स्मॉग, ठंडी, स्थिर हवाएं, वायुमंडलीय प्रदूषकों जैसे पीएम 2.5 और पीएम 10 को सतह के पास फंसा लेती हैं। बीते दो सालों में ठंड के मौसम में पहाड़ों पर बर्फ देर से गिरी और ठंड भी कम हुई, लेकिन इस बार भारतीय मौसम विभाग और अंतर्राष्ट्रीय मौसम एजेंसियों के पूर्वानुमान इस ओर इशारा कर रहे हैं कि इस वर्ष की सर्दी सामान्य से अधिक ठंडी और लंबी अवधि वाली हो सकती है। यह संभावित 'शीत लहर' भारत के जलवायु, कृषि, जंगलों और वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत कर सकती है। नवंबर के तीसरे हफ्ते की शुरुआत में ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के कुछ जिलों में ठंड का येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इस वर्ष कड़ाके की ठंड पड़ने की आशंका के पीछे सबसे बड़ा कारण ला नीना मौसमी परिघटना का मजबूत होना है। ला नीना, एल नीनो-दक्षिणी दोलन चक्र का वह चरण है जब भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक कम हो जाता है। ला नीना उत्तरी गोलार्ध के वायुमंडलीय परिसंचरण पैटर्न को प्रभावित करता है। इसके कारण, साइबेरियाई उच्च दबाव प्रणाली मजबूत होती है और उत्तरी-पश्चिमी ठंडी और शुष्क हवाएं भारतीय उपमहाद्वीप में अधिक तेज़ी और तीव्रता से प्रवेश करती हैं। यह प्रवाह शीत लहर की आवृत्ति और अवधि को बढ़ा देता है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2020-21 की सर्दियों में, दिल्ली में दिसंबर में कई दिन 3.4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज हुआ था, जो सामान्य से काफी कम था। पश्चिमी विक्षोभ और उच्च हिमालयी बर्फबारी भी इस साल अपनी करामात दिखाएगी। इस वर्ष ला नीना के साथ-साथ भूमध्यसागरीय क्षेत्र से आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के भी अधिक सक्रिय रहने की संभावना है। ये विक्षोभ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी और लगातार बर्फबारी करा सकते हैं। पहाड़ों पर जमा यह विशाल हिम भंडार मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के लिए एक निरंतर स्रोत का काम करता है।

कड़ाके की ठंड देश की रबी की फसलों, मुख्यत: गेहूं, सरसों और दलहन पर सीधा असर डालती है। लेकिन गेहूं की वानस्पतिक वृद्धि और दाना भरने की प्रक्रिया के लिए 10 डिग्री सेल्सियस से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच का तापमान आदर्श माना जाता है। लंबी अवधि की ठंड फसल को पर्याप्त चिलिंग आवर प्रदान करती है, जिससे उसकी गुणवत्ता और पैदावार में वृद्धि हो सकती है। वहीं, पाला पड़ने से नकारात्मक प्रभाव पड़ने का खतरा है। यदि तापमान जमाव बिंदु से नीचे गिर जाता है तो पौधों की कोशिकाओं में मौजूद पानी जम जाता है, जिससे उनके ऊतक नष्ट हो जाते हैं।

इसके साथ ही पाला-संवेदनशील फसलें जैसे कि आलू, टमाटर, मटर, बैंगन जैसी सब्जियों, पपीता और केला जैसे फलों और सरसों की फूलों वाली अवस्था को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है। वहीं, मौसम विभाग पाला पड़ने की संभावना पर समय-समय पर चेतावनी जारी करता है। कृषि विभाग किसानों को रात में हल्की सिंचाई, खेत की मेड़ों पर धुआं करना और सल्फर आधारित फफूंदीनाशकों का छिड़काव करने की सलाह देता है। अत्यधिक ठंड और भारी बर्फबारी जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र को बदल देती है और वन्यजीवों के जीवन को सीधे प्रभावित करती है। निचले और मध्य हिमालयी क्षेत्रों में, ठंड का अचानक बढ़ना पत्तियों के गिरने की प्रक्रिया को तेज़ कर सकता है। इसे पर्णपाती चक्र कहते हैं। इसके अलावा, ठंड के अत्यधिक होने से जंगली आग का जोखिम बढ़ जाता है। अत्यंत शुष्क और ठंडी हवाएं जंगल के फर्श पर गिरी पत्तियों और झाड़ियों को पूरी तरह से सुखा देती हैं, जिससे शीतकालीन जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, खासकर मानवीय लापरवाही से।

अधिक ठंड के चलते जंगल के जानवर भी इससे अच्छे-खासे प्रभावित होते हैं। अधिक ऊंचाई पर रहने वाले जानवर जैसे हिम तेंदुआ और हिमालयी भूरा भालू जैसे जानवर बर्फबारी के लिए अनुकूलित होते हैं, लेकिन अत्यधिक और लगातार बर्फबारी उनके शिकार के रास्ते बंद कर देती है, जिससे उन्हें भोजन की तलाश में निचले इलाकों में आने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यही नहीं, शीत-निष्क्रियता में जाने वाले सांपों, छिपकलियों और कीड़ों के जीवन चक्र पर गहरा असर पड़ता है, जो बदले में पक्षियों और छोटे शिकारियों की खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है।

---

# राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम

**अजीत द्विवेदी**

**कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा नहीं की है। राष्ट्रीय जनता दल ने समीक्षा बैठक बुलाई तो उसमें समीक्षा कुछ नहीं हुई, तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। उधर कांग्रेस ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में इस बैठक के लिए राहुल गांधी के पहुंचने की वीडियो कांग्रेस इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया में खूब शेयर किया, जिसका कैप्शन था कि, 'तूफान आ रहा है, एसआईआर की सबसे बड़ी बैठक के लिए पहुंचे राहुल'। वैसे भी राहुल गांधी को आंधी, तूफान, चट्टान और पता नहीं क्या क्या बताने का बड़ा सुनियोजित अभियान सोशल मीडिया में चल रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एसआईआर पर बैठक हुई, जिसमें दिसंबर के पहले हफ्ते में 'वोट चोरी' पर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करने का फैसला हुआ।**

सोचें, राजनीतिक विमर्श की बजाय घूम फिर कर मामला 'वोट चोरी' पर पहुंच गया। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम है। पहले उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था। उसके बाद उन्होंने 'सारे मोदी चोर होते हैं' की बात कही। फिर व्यापारी चोर हैं का नारा लगाया और अब चुनाव आयोग चोर है, जो 'वोट चोरी' करा रहा है की बात कर रहे हैं। अभी तक चोरी के उनके आरोपों का कोई लाभ कांग्रेस को या उसकी सहयोगी पार्टियों को नहीं हुआ है। फिर भी 'वोट चोरी' का मुद्दा राहुल गांधी के समूचे राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा है। असल में कांग्रेस पार्टी की लगातार हार की समीक्षा करने पर राहुल गांधी को सबसे आसान कारण 'वोट चोरी' का समझ में आ रहा है। इसलिए वे इसी पर अड़े हैं। लेकिन यह बिल्ली को देख कर कबूतर के आंख बंद कर लेने वाली एप्रोच है। इस बात को राहुल गांधी और उनकी टीम नहीं समझ पा रही है।

यह साधारण सी राजनीतिक बात पता नहीं क्यों कांग्रेस नेताओं को नहीं समझ में आ रही है कि वे अगर मेहनत करते, ईमानदारी से गठबंधन बनाते, राजनीतिक व सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रख कर सीटों व टिकटों का बंटवारा करते, प्रचार में दम लगाते और उसके बाद हारते तो वोट चोरी के आरोपों पर लोगों को यकीन भी होता। लेकिन अगर पहले दिन से यह मैसेज हो कि कांग्रेस या उसके गठबंधन सहयोगी अच्छे तरीके से नहीं लड़ रहे हैं तो फिर 'वोट चोरी' के आरोपों पर कोई कैसे भरोसा करेगा? ध्यान रहे अच्छे से लड़ना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है लेकिन अच्छे से लड़ कर हारने पर लोगों की सहानुभूति मिलती है और समर्थन बढ़ता है। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। बिहार का चुनाव ताजा मिसाल है।

बिहार में कांग्रेस पहले दिन से अपने ही गठबंधन का खेल बिगाड़ने में लगी रही। उसने ऐन चुनाव से पहले तमाम जनाधार वाले नेताओं को हटा दिया और कांग्रेस में नौकरी करने वाले नेताओं को गठबंधन संभालने और चुनाव लड़ाने के काम में लगाया। तेजस्वी को रोकने के लिए सारे प्रयास किए तो लेफ्ट को उसका लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में खत्म करने के लिए राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों ने पूरी मेहनत की। बदले में लेफ्ट ने भी कांग्रेस की जीती हुई सीटों पर अपने उम्मीदवार देकर उसको हरवाया। राहुल ने बिना मतलब एसआईआर के मुद्दे पर 16 दिन बिहार में यात्रा की और उसके बाद 57 दिन तक बिहार का रुख नहीं किया।

वैसे भी बिहार चुनाव को लेकर कोई भ्रम कभी नहीं था। इस बार पहले दिन से कोई मुकाबला नहीं था। यह चुनाव 2010 की तरह पहले दिन से दिख रहा था। 2010 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और एसवाई कुरैशी मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो बिहार में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 206 सीटें आई थीं। उस समय लालू प्रसाद और रामविलास पासवान एक साथ लड़े थे और कांग्रेस अलग लड़ी थी। उस चुनाव में एनडीए को 39 फीसदी वोट मिला था।

उसके बाद मोटे तौर पर हर चुनाव में उसका वोट इतना ही रहा। इस बार उसमें चिराग पासवान की वजह से नया वोट जुड़ा, जो चुनाव के पहले से जुड़ता दिख रहा था। सवाल है कि 2010 में 206 सीट मिलने पर कोई सवाल नहीं उठाने वाली कांग्रेस एक ज्यादा बड़े गठबंधन को 202 सीट मिलने पर 'वोट चोरी' के आरोप क्यों लगा रही है? इस तर्क के जवाब में ज्यादा समझदार लोग कहते हैं कि यह मामला इतना सरल नहीं है। लेकिन इसकी जटिलता भी कोई नहीं समझा रहा है। कोई भी व्यक्ति यह नहीं समझा रहा है कि एसआईआर से 'वोट चोरी' कैसे हुई है?

अपनी हाइड्रोजन बम वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बिहार के जमुई जिले के पांच लोगों को मंच पर बुलाया कि उनका नाम मतदाता सूची से कट गया है। सवाल है कि जब अंतिम मतदाता सूची जारी हुई और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से उसको हर बूथ के हिसाब से वार्ड पार्षद के पास, प्रखंड में और चुनाव कार्यालय में उपलब्ध कराया गया और कहा गया कि अधिसूचना जारी होने तक लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं तो इन लोगों ने आवेदन क्यों नहीं किया? कांग्रेस या राजद के बूथ लेवल एजेंट्स ने इनके नाम जुड़वाने के लिए क्या कोई पहल की थी? यह नहीं बताया गया। हकीकत यह है कि अंतिम मतदाता सूची आने के बाद एक भी आपत्ति चुनाव आयोग को नहीं मिली। उसके बाद यह पहली बार हुआ कि बिहार के एक भी मतदान केंद्र पर रिपोलिंग नहीं हुई। मतदान केंद्रों पर किसी पार्टी के किसी पोलिंग एजेंट ने बोगस वोटिंग की शिकायत नहीं की। इसके बाद भी राहुल गांधी कह रहे हैं कि 'वोट चोरी' के खिलाफ रैली करेंगे!

असल में एसआईआर के खिलाफ यात्रा या 'वोट चोरी' के खिलाफ रैली से राहुल गांधी कांग्रेस की कमजोरियां छिपा रहे हैं। कम से कम एसआईआर कोई चुनावी मुद्दा नहीं है और न एसआईआर के जरिए 'वोट चोरी' हो रही है। उलटे एसआईआर के जरिए 'वोट चोरी' का रास्ता बंद हो रहा है। बोगस वोटिंग की शिकायत बिहार में इसलिए नहीं मिली क्योंकि बोगस नाम कट गए थे। हालांकि हो सकता है कि एसआईआर में कुछ कमियां हों। लेकिन उसका समाधान यह है कि पार्टियां अपने बूथ लेवल एजेंट्स के जरिए गड़बड़ियों को न्यूनतम रखने का प्रयास करें। 'वोट चोरी' के आरोप भी सोच समझ कर लगाना चाहिए। महात्मा गांधी ने जब चंपारण में पहला सत्याग्रह किया तो उसके बाद उन्होंने कहा था कि, 'सत्य इस रूप में सामने आना चाहिए कि उसे कहीं भी प्रस्तुत किया जा सके और वह गलत नहीं साबित हो'।

---

## जहरीली हुई हवा पर सरकार बेफिक्री

संभवत: सरकार की निगाह में उससे असहमत या उसकी नाकामियों पर बात करने वाली हर आवाज अवैध है, इसलिए प्रदूषण पर बेफिक्री के खिलाफ इंडिया गेट पर जुटे महिलाओं और बुजुर्गों तक को पुलिस जबरन अपनी बसों में ले गई। दिल्ली में जहरीली हुई हवा पर सरकारी बेफिक्री के खिलाफ नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास इकट्ठा हुए नागरिकों से पुलिस ने वैसा ही सलूक किया, जैसा इस दौर में किसी भी विरोध प्रदर्शन के साथ किया जाता है। संभवत: भारत सरकार की निगाह में उससे असहमत या उसकी नाकामियों पर बात करने वाली हर आवाज अवैध है, इसलिए इंडिया गेट पर जुटे महिलाओं और बुजुर्गों तक को पुलिस जबरन अपनी बसों में ले गई। दूर बवाना ले जाकर उन्हें छोड़ा गया। आयोजकों से यह लिखित वादा भी लिया गया कि समन पर वे मजिस्ट्रेट के सामने हाजिर होंगे। विरोध जताने आए नागरिकों की कोई राजनीतिक मांग नहीं थी। वे सिर्फ यह पूछ रहे थे कि उन्हें और उनके बच्चों को साफ हवा में सांस लेने का हक भी नहीं है? दिल्ली में आज यह आम धारणा है कि सरकार ने इस वर्ष इस सीजन में प्रदूषण का असली स्तर छिपाने की कोशिश की है। इस सूचना पर सुप्रीम कोर्ट भी जवाब- तलब कर चुका है कि वायु गुणवत्ता की जांच करने वाले 37 में से 28 केंद्र दिवाली के दिन बंद थे। फिर इल्जाम हैं कि जहां ये प्रदूषण की माप करने वाली मशीनें लगी हैं, वहां दिल्ली सरकार ने जानबूझ कर जल छिड़काव कराया, ताकि प्रदूषण की मात्रा कम दर्ज हो। इन बातों ने नागरिकों में व्यग्रता पैदा की है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544


# श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग


प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

## श्रीकंचनपथ का 17वां स्थापना दिवस : वृद्धाश्रम में बांटे फल, बुजुर्गों के खिले चेहरे

### आस्था वृद्धाश्रम में संपन्न हुआ सेवाभावी कार्य, वृद्धजनों ने दिया आशीष

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सांध्य दैनिक श्रीकंचनपथ ने अपने लगातार प्रकाशन के 16 वर्ष पूरे कर 17वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। समूह के प्रबंधन संपादक राजेश अग्रवाल के निर्देश पर स्थापना दिवस के अवसर पर अलग अलग इवेंट कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विगत दिनों सेक्टर–2 स्थित आस्था वृद्धाश्रम में फलों को वितरण किया गया। वृद्ध जनों ने फल पाकर पूरी टीम को आर्शीवाद दिया। इस मौके पर वृद्धजनों सेब, संतरा व केले का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीकंचनपथ के प्रबंध संपादक राजेश अग्रवाल ने आस्था वृद्धाश्रम के संचालक की सराहना करते हुए कहा कि इनका कार्य समाज सेवा का एक उत्कृष्ठ उदहारण है। कई वर्षों से इस संस्थान का संचालन कर रहे हैं। आस्था वृद्धाश्रम में ऐसे बुजुर्ग महिला व पुरुषों का रखा

गया है जिनका कोई नहीं है। श्रीकंचनपथ समूह द्वारा एक छोटा प्रयास है कि इन बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान लाया जा सके। हमारा प्रयास रहेगा जब भी मौका मिले बुजुर्गों की सेवा में कुछ न कुछ करते रहेंगे। इस मौके पर आस्था वृद्धाश्रम के संचालक प्रकाश गेडाम ने बताया कि सेक्टर–2 व सेक्टर–8 में दो आश्रम का संचालन किया जा रहा है। दोनों संस्थानों में 80 बुजुर्ग रह रहे हैं। इनके लिए रोजाना भोजन की व्यवस्था करना एक बड़ा चैलेंज हैं। कई समाज सेवी संस्थाए इसमें सहयोग करती हैं। प्रकाश गेडाम ने श्रीकंचनपथ समूह का आभार व्यक्त करते हुए कि निष्पक्ष खबरों के प्रकाशन के साथ समूह द्वारा सामाजिक की जिम्मेदारी का निर्वाहन भी किया जा रहा है। इनके इस छोटे से प्रयास से यहां रहने वाले वृद्धजनों में खुशी की लहर है। फल वितरण कार्यक्रम के दौरान श्रीकंचनपथ समूह की पूरी टीम उपस्थित रही।

## खास खबर

### राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग को द्वितीय स्थान

**दुर्ग।** 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जिला महासमुंद में 06 से 09 अक्टूबर 2025 तक सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में खेलो इंडिया लघु केन्द्र मर्रा, पाटन के खिलाड़ी खुमान साहू ने दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र एवं विद्यालय का मान बढ़ाया। राज्य स्तर पर चयनित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खुमान साहू की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण जिला दुर्ग के सहायक संचालक विलियम लकड़ा, प्राचार्य सेजस मर्रा, संतोष यादव ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी पाटन, ग्राम पंचायत मर्रा के सरपंच, शाला अध्यक्ष मर्रा तथा खेलो इंडिया लघु केन्द्र मर्रा के प्रशिक्षक भरत लाल ताम्रकार ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

### दुर्ग में आयोजित 5वीं राज्य स्तरीय रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता

**भिलाई।** साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा 8 एवं 9 नवंबर को पाटन दुर्ग में आयोजित 5वीं राज्य स्तरीय रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में मां शारदा पब्लिक स्कूल के 20 खिलाड़ी बच्चों ने विभिन्न वर्गों में भाग लिया। प्रतियोगिता में दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, बालोद बाजार, रायगढ़, जशपुर, बिलासपुर, खैरागढ़ से संकड़ों साइक्लिस्ट ने भाग लिया। प्रतियोगिता उपरांत विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में मां शारदा पब्लिक स्कूल के 4 बच्चों गीतिका साहू, मेघा साहू, कट्टा नेहा एवं साक्षी सलामे ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया जो कि 2 से 6 दिसंबर तक संबलपुर में आयोजित 30वीं राष्ट्रीय रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मां शारदा पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ पवन कुमार शर्मा, सचिव शोभा शर्मा, नरेंद्र कुमार बंछोर,कोषाध्यक्ष मां शारदा सेवा समिति एवं अध्यक्ष बीएसपी साइक्लिंग क्लब, परविंदर सिंह सदस्य मां शारदा सेवा समिति एवं अध्यक्ष बीएसपी साइकिल पोलो क्लब, विनायक चन्नावार महासचिव साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़, प्रतीक मनोध्या एनआईएस कोच साइकिलिंग, विद्यालय के पीटीआई शशिकांत पांडे ने समस्त खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

## दुर्ग के देवेश साहू बने सीजीपीएससी 2024 टॉपर, 2 साल की कोचिंग के बाद सक्सेस

### 14-15 घंटे की पढ़ाई, तीसरे प्रयास में मिली सफलता

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** दुर्ग जिले के धनोरा के रहने वाले देवेश प्रसाद साहू (27) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) 2024 की परीक्षा में टॉप किया है। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है। देवेश ने बताया कि ये उनका तीसरा प्रयास था।

उन्होंने बिलासपुर में दो साल तक कोचिंग ली। इसके बाद खुद पढ़ाई करने का निर्णय लिया। पिछले 2 सालों से सेल्फ स्टडी और रोजाना 14-15 घंटे की पढ़ाई से यह संभव हुआ। देवेश के पिता होलधर साहू भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त इलेक्ट्रीशियन हैं, जबकि मां नंदिनी साहू गृहणी हैं। उनकी बहन भूमिका साहू राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव ब्लॉक में हॉर्टिकल्चर आरएचईओ के पद पर कार्यरत हैं। उनका परिवार मूल रूप से बालोद जिले के गुंडरदेही ब्लॉक के जोरातराई गांव का रहने वाला है। देवेश ने बस्तर के जगदलपुर स्थित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से बीई की डिग्री प्राप्त की।

अपनी पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रशासनिक अधिकारी बनने का लक्ष्य निर्धारित किया था।

### पहली बार 2021 में दी थी यह परीक्षा

उन्होंने पहली बार 2021 में यह परीक्षा दी थी, जिसमें उन्हें 219 अंक प्राप्त हुए। दूसरी बार 2023 में उन्हें 179 अंक मिले। इन दोनों प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं मिली थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और तीसरे प्रयास के लिए कड़ी तैयारी की। देवेश ने बिलासपुर में दो साल तक कोचिंग ली। इसके बाद उन्होंने स्वयं अध्ययन करने का निर्णय लिया।

पिछले दो सालों से वे पूरी तरह से सेल्फस्टडी पर निर्भर थे। इस दौरान वे प्रतिदिन 15 से 20 घंटे तक पढ़ाई करते थे, जिसमें निरंतर अभ्यास और खुद को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

### परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं

इस बार जब 20 नवंबर की देर रात सीजीपीएससी 2024 का परिणाम आया, तो 773.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर अपना नाम देख देवेश और पूरे परिवार की खुशी का ठिकाना न रहा। पिता की आंखों में गर्व के आंसू थे, मां की दुआएं सफल हुई थीं और पूरे धनोरा–भिलाई–दुर्ग में खुशी की लहर दौड़ गई। देवेश ने कहा कि 'असफलता रास्ता रोकती नहीं, दिशा दिखाती है। मैंने हर असफलता से सीखा और अपने डर को अपनी ताकत बना लिया।' उनकी यह यात्रा उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की राह में चुनौतियों से जूझ रहे हैं। देवेश की सफलता बताती है कि लगातार प्रयास, आत्मविश्वास और अनुशासन ऐसा कोई दरवाज़ा नहीं है जिसे खोल न सके।

## वैशाली नगर में 66 लाख 39 हजार के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

### रिकेश सेन और नीरज पाल ने जनता को समर्पित किए दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन और महापौर नीरज पाल ने संयुक्त रूप से दो प्रमुख सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन दोनों कार्यों की कुल लागत राशि रूपये 66 लाख 39 हजार है।

वैशाली नगर ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में बी टी रोड निर्माण हेतु लागत राशि 17 लाख 39 हजार कार्य एजेंसी मुक्ता कंस्ट्रक्शन है । यह सड़क क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कॉलोनी के निवासियों को सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

### बी एम शाह रोड का भूमिपूजन

लागत राशि 49 लाख रुपए जिसकी कार्य एजेंसी क्वालिटी कंस्ट्रक्शन है। यह महत्वपूर्ण सड़क शहर के आवागमन को और भी सरल बनाएगी। इस अवसर पर विधायक एवं महापौर ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्धारित समय–सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ इन कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में स्थानीय पार्षदगण, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस विकास कार्य के लिए विधायक एवं महापौर का आभार व्यक्त किया।

## ग्राम तर्रा व लिमतरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से ग्राम तर्रा और लिमतरा में दो नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 113 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर आवश्यक परामर्श एवं दवाओं का लाभ प्राप्त किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करते हुए शिविर का आयोजन किया गया। 19 नवम्बर 2025 को ग्राम तर्रा में आयोजित शिविर में बीएसपी की ओर से डॉ. प्रेरणा बघेल, फार्मासिस्ट एम. जानवी, नर्सिंग स्टाफ रेणुका वर्मा एवं पंजीयन हेतु पायल पवार उपस्थित रहीं। जिला चिकित्सालय से आरएचओ (एफ) सुनीता

देवांगन, नर्सिंग स्टाफ सहित सीएसआरकर्मी बुधेलाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। बच्चों सहित कुल 40 ग्रामीणों की जांच की गई और सभी को नि:शुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। 20 नवम्बर को लिमतारा में आयोजित शिविर में बीएसपी की ओर से डॉ. प्रेरणा बघेल, फार्मासिस्ट मनीष कुमार देशमुख, नर्सिंग स्टाफ तृप्ति कुमारी तथा पंजीयन हेतु पायल पवार उपस्थित रहीं।

## जन्म-मृत्यु पंजीयन में फर्जीवाड़ा रोकने कलेक्टर ने जारी की सख्त एडवायज़री

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** संचालक एवं मुख्य रजिस्ट्रार(जन्म–मृत्यु) आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय के निर्देशानुसार जिले में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों के ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने तथा फर्जी प्रमाण पत्रों की रोकथाम के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी रजिस्ट्रार (जन्म–मृत्यु) को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

एडवायज़री में कहा गया है कि सीआरएस वेब पोर्टल पर जन्म–मृत्यु पंजीयन हेतु उपलब्ध कराई गई यूजर आईडी, पासवर्ड और ओटीपी को किसी भी परिस्थिति में दूसरों के साथ साझा न किया जाए और पासवर्ड को समय–समय पर बदला जाए, ताकि अनधिकृत लॉगिन और फर्जी प्रमाण पत्र जारी होने पर रोक लग सके।

इसी के साथ कई फर्जी वेबसाइटों से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने की शिकायतें मिलने पर अधिकारियों और आम जनता दोनों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

निर्देश दिए गए हैं कि सीआरएस पोर्टल में लॉगिन करते समय URL (https//dc.crsorgi.gov.in) सीधे की–बोर्ड से टाइप करें तथा किसी भी सर्च इंजन के माध्यम से पोर्टल न खोलें। यदि किसी भी स्तर पर फर्जी वेबसाइट, चॉइस सेंटर या अन्य माध्यम से फर्जी प्रमाण पत्र जारी होने की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को तुरंत रिपोर्ट कर जांच कराना आवश्यक होगा और दोषियों पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोबाइल एप के माध्यम से सीआरएस पोर्टल का उपयोग करने वाले रजिस्ट्रारों को भी इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है। साथ ही जिला स्तरीय समन्वय समिति डीएलसीसी की वार्षिक बैठक में इन बिंदुओं को अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

### शिव जी अर्पण सेवा समिति ने बच्चों को बाटें गर्म कपड़े

**भिलाई।** भिलाई नगर द्वारा बैकुंठ धाम शासकीय प्राथमिक शाला मदर टेरेसा नगर संकुल – जे. पी. नगर कैंप–2 भिलाई में कक्षा पहली से 5 पांचवीं तक के बच्चों को बढ़ती ठंड को देखते हुए समिति के सभी सदस्यों द्वारा 60 बच्चों को स्वेटर और कनपटी बच्चों को दिया गया जिससे बच्चों को स्कूल आने में ठंड से राहत मिल सके और उन्हें पढ़ने में कपकपाहट और ठंड न लगे। जिसमे समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

## संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग में चार दिवसीय सुरक्षा सप्ताह समारोह

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग में चार दिवसीय सुरक्षा सप्ताह समारोह का शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में स्थायी एवं संविदा दोनों श्रेणियों के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षित कार्य प्रणालियों को अपनाने तथा व्यवहार आधारित सुरक्षा को मजबूत बनाने के साथ संयंत्र में दुर्घटना–मुक्त रखरखाव सुनिश्चित करना था।

उद्घाटन के अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य महाप्रबंधक (ए एंड डी) समिधा गुप्ता, महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (पीएलईएम) एम. वी. बाबू, महाप्रबंधक (एसईडी) जे. तुलसीदासन, महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) बी. मधु पिल्लई तथा महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) जी. के. कुंडू शामिल थे।

गणमान्य अतिथियों ने अपने संदेशों में सुरक्षा मानकों के पालन, सतर्कता, नियमित प्रशिक्षण तथा सामूहिक जिम्मेदारी को औद्योगिक कार्य संस्कृति की अनिवार्य आवश्यकता बताया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सुरक्षा केवल किसी एक विभाग का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण संयंत्र की परिचालन दक्षता का मूल आधार है।

औपचारिक उद्घाटन के उपरांत सुरक्षा सप्ताह का पहला कार्यक्रम वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित हुआ, जिसमें कर्मचारियों ने औद्योगिक सुरक्षा की चुनौतियों, आधुनिक तकनीकों के उपयोग, व्यक्तिगत जवाबदेही और सुरक्षित कार्य संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतिभागियों के उत्साह ने आगामी कार्यक्रमों के लिए प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया।

सुरक्षा सप्ताह के दौरान पोस्टर निर्माण,

नारा लेखन, कविता पाठ, नाटक, रंगोली, सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं गीत जैसी जागरूकता–आधारित रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जो कर्मचारियों को सुरक्षा विषयक संदेशों को अभिव्यक्त करने के लिए प्रभावी मंच प्रदान करती हैं।

इस अवसर पर इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों— महाप्रबंधक सिम्मी गोस्वामी, महाप्रबंधक ए. एम. डैनी, महाप्रबंधक जोसेफ एम. जॉय एवं महाप्रबंधक रजनीश जैन ने सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विविध गतिविधियों का नेतृत्व किया।

कार्यक्रम का सफल समन्वय महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (इंस्ट्रूमेंटेशन) राकेश वर्मा द्वारा किया गया।

इस पहल के माध्यम से विभाग बीएसपी के उस मिशन का समर्थन करता है, जिसमें उच्च सुरक्षा मानकों को प्राप्त करने और ऐसा कार्यस्थल विकसित करने पर बल दिया जाता है जहाँ प्रत्येक कर्मचारी अपने तथा अपने सहकर्मियों की भलाई के प्रति उत्तरदायी महसूस करे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### राज्य में अब तक 23.67 लाख क्विंटल धान उपार्जित

**रायपुर।** राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला जोर पकड़ने लगा है। धान खरीदी के 6वें दिन 20 नवंबर को किसानों से समर्थन मूल्य पर 9,00,615 क्विंटल धान खरीदा गया। राज्य में 15 नवंबर से लेकर 20 नवंबर तक कुल 23,66,958 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार धान खरीदी के साथ-साथ किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है। इसके लिए मार्कफेड द्वारा अपेक्स बैंक को 214.18 करोड़ रूपए जारी कर दिए गए हैं। यहां यह बता दें कि राज्य के किसानों से क्रय किए गए धान के मूल्य भुगतान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने मार्कफेड को 26,200 करोड़ रूपए की बैंक गांरटी पहले से दे रखी है। धान खरीदी की व्यवस्था पर निगरानी के लिए सभी केन्द्रों में अधिकारी तैनात किए गए हैं। राज्य स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारी लगातार दौरा कर धान खरीदी एवं केन्द्रों की व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने पाए इसको लेकर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बाहर से धान की आवक की रोकथाम के लिए चेकपोस्ट पर अधिकारी तैनात किए गए हैं। जगह-जगह मॉलवाहकों की औचक जांच भी की जा रही है। किसानों का कहना है कि धान खरीदी के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई टोकन तुंहर एप्प की ऑनलाईन व्यवस्था से टोकन प्राप्त करने और धान बेचने में आसान हो रही है। यहां यह उल्लेखनीय है कि खरीफविपणन सीजन 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य के 26.50 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत धान का रकबा 29.27 लाख हेक्टेयर है।

### स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूलों में जाकर बनाया जा रहा आयुष्मान कार्ड

**कोण्डागांव ।** कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पूरे जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से शालाओं में पहुंचकर छात्र-छात्राओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने जिले के उन सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है, जिन्होंने अब तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है। वे अपना राशन कार्ड, आधार कार्ड व मोबाइल नंबर लेकर अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क कर आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवा लें, जिससे उन्हें उपचार के समय योजनांतर्गत सभी सुविधाएं मिल सके।

### सहकारी समिति प्रबंधकों और ऑपरेटर्स की हड़ताल स्थगित

**रायपुर।** कबीरधाम जिले में बीते 3 नवंबर से चल रही जिला सहकारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित हो गई है। संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर गोपाल वर्मा से मुलाकात कर हड़ताल स्थगन का पत्र सौंपा। जिला सहकारी संघ की ओर से कहा गया कि शासन द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। किसानों के हित को देखते हुए जिला सहकारी संघ के समस्त कर्मचारी अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को स्थगित करते हैं और 21 नवंबर, शुक्रवार से अपने कार्य पर लौट जाएंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, संयुक्त कलेक्टर आर बी देवांगन, उप पंजीयक सहकारिता जी एस शर्मा, खाद्य अधिकारी सचिन मरकाम, डीएमओ अभिषेक मिश्रा, सीसीबी नोडल आर पी मिश्रा सहित अन्य अधिकारी व जिला सहकारी संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

# छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मिली दो ऐतिहासिक उपलब्धि

## मुख्यमंत्री साय ने दी बधाईः कहा - यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र में आ रहे व्यापक, वैज्ञानिक और संरचनात्मक सुधारों का प्रमाण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिला अस्पताल पंडरी रायपुर और जिला अस्पताल बलौदाबाजार की इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब को भारत सरकार के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर का गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इनमें पंडरी रायपुर की IPHL देश की प्रथम, जबकि बलौदाबाजार की IPHL देश एवं राज्य की द्वितीय प्रमाणित लैब बनी है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और वैज्ञानिक मानकों पर आधारित लैब सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को प्रमाणित करती है।**

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रयासों का यह सीधा परिणाम है कि जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच राज्य की कुल 832 स्वास्थ्य संस्थाओं का राष्ट्रीय मानकों के आधार पर मूल्यांकन और प्रमाणीकरण किया गया है। इनमें दंतेवाड़ा के दूरस्थ क्षेत्र चिंतागुफा जैसे दुर्गम इलाकों के स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि देश में पहली बार किसी राज्य में लैब्स की इतनी बड़ी और व्यवस्थित श्रृंखला का मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण हुआ है, जिसने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान दिलाया है।

दोनो लैब्स का मूल्यांकन भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नामित विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ताओं की टीमों ने किया। पंडरी रायपुर की ढ्ढक्क्रुका मूल्यांकन 10 सितंबर 2025, जबकि बलौदाबाजार की IPHLका मूल्यांकन 11 सितंबर 2025 को किया गया। दोनों टीमों ने लैब की कार्यप्रणाली, मरीज केंद्रित सेवाएँ, गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्ध रिपोर्टिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। मूल्यांकन उपरांत, पंडरी रायपुर IPHL को 90त्न और बलौदाबाजार IPHL को 88 प्रतिशत स्कोर के साथ प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह स्कोर स्वास्थ्य गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों में उत्कृष्ट श्रेणी में आता है।

इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की अवधारणा का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को एक ही छत के नीचे पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सभी प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे न केवल जांच की गति और विश्वसनीयता बढ़ती है, बल्कि लोगों को महंगी निजी जांच लैब्स पर अनावश्यक निर्भरता से भी राहत मिलती है। एकीकृत मॉडल होने के कारण, मरीजों को एक ही स्थान पर किफायती और सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो पाती है।

पंडरी रायपुर की IPHL पूरे राज्य का मॉडल लैब बन चुकी है। यहां प्रतिदिन 3,000 से अधिक जांचें की जाती हैं और 120 से अधिक प्रकार की जांच सेवाएं उपलब्ध हैं। यह लैब 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर कार्य करते हुए रायपुर जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त सैंपल की भी जांच करती है। कई बार आपातकालीन परिस्थितियों में यह लैब मेडिकल कॉलेज और अन्य जिलों से आए नमूनों की जांच भी करती रही है, जिससे इसकी क्षमता और उपयोगिता दोनों प्रमाणित होती हैं।

बलौदाबाजार की IPHL भी सेवा गुणवत्ता के मामले में तेजी से उभरती हुई लैब है। यहां प्रतिदिन 1,000 से 1,200 जांचें की जाती हैं और 100 से अधिक प्रकार की लैब टेस्टिंग उपलब्ध है। लैब में अत्याधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित तकनीशियनों और समयबद्ध रिपोर्टिंग की वजह से जिले के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों को अब जांच के लिए शहर या निजी लैब्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पूर्व में भी पंडरी रायपुर ढ्ढक्क्रु के मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जा चुकी है। देश के 13 से अधिक राज्यों की टीमें उक्त लैब का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन कर चुकी हैं। इतना ही नहीं, भारत सरकार द्वारा इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स हेतु जारी की गई विस्तृत गाइडलाइन के मुख्य पृष्ठ पर रायपुर IPHL की फोटो प्रकाशित की गई है। इस मॉडल को PM-ABHIM के अंतर्गत पूरे देश में स्थापित किए जा रहे IPHL नेटवर्क के मार्गदर्शक स्वरूप में अपनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन की यह प्रक्रिया केवल प्रमाणीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य प्रणाली में स्थायी सुधार की दिशा में एक ठोस कदम है। IPHL के मानकों में साफ-सफाई, सुरक्षा, रोगी संतुष्टि, रिकॉर्ड प्रबंधन, तकनीकी गुणवत्ता, उपकरण कैलिब्रेशन, बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और स्टाफ क्षमता निर्माण जैसे बिंदुओं का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। दोनों लैब्स ने इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि अर्जित की है।

आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि ह्वक्रस् कार्यक्रम भारत सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके जरिए सरकारी अस्पतालों में गुणवत्ता सुधार को संस्थागत स्वरूप दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में निर्धारित चेकलिस्ट बेहद व्यापक है और प्रमाणन तभी मिलता है जब कोई संस्थान सभी मानकों पर सतत् उत्कृष्टता प्रदर्शित करे। छत्तीसगढ़ की दोनों IPHL लैब्स ने जिस दक्षता और अनुशासन के साथ सभी मापदंडों को पूरा किया है, वह राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्ता सुधार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में लैब तकनीशियनों, चिकित्सकों और प्रबंधन टीमों ने बड़े समर्पण और परिश्रम के साथ कार्य किया है। पंडरी रायपुर और बलौदाबाजार IPHL की उपलब्धि पूरे राज्य के लिए प्रेरक है और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी इसी मॉडल को सुदृढ़ता से लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा दोनों जिला अस्पतालों की IPHL टीमों—चिकित्सकों, तकनीशियनों और स्टाफ —को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, और IPHL के राष्ट्रीय प्रमाणन से राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को नई विश्वसनीयता और मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित मानव संसाधन से लैस कर रही है।

IPHL जैसी उच्च गुणवत्ता वाली लैब्स ग्रामीण, आदिवासी और पिछड़े इलाकों में समय पर स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आने वाले वर्षों में राज्य भर के जिला अस्पतालों और प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों को इसी मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा।

# छत्तीसगढ़ का प्रमुख बर्ड वॉक एवं जैव विविधता संरक्षण केंद्रः गिधवा-परसदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ का प्रमुख बर्ड वॉक एवं जैव विविधता संरक्षण केंद्रः गिधवा-परसदासाल 2023 में किए गए जैव विविधता सर्वेक्षण के अनुसार यहां 104 मछलियों, 19 उभयचरों और 243 पक्षियों की प्रजातियां दर्ज की गईं। अक्टूबर से मार्च के बीच भारत, रूस, मंगोलिया, बर्मा, बांग्लादेश सहित कई देशों से हजारों प्रवासी पक्षी यहां आते हैं। इसी कारण गिधवा- परसदा परिसर छत्तीसगढ़ का एक लोकप्रिय बर्ड-वॉक और प्रकृति अध्ययन केंद्र बन गया है।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में स्थित गिधवा-परसदा आर्द्रभूमि परिसर राज्य का सबसे समृद्ध और सक्रिय पक्षी आवास क्षेत्र माना जाता है। गिधवा, गिधवा-2, परसदा, कूर्मू तथा एसएसएमटी जैसी जलाशयों से मिलकर बना यह परिसर स्थानीय और प्रवासी पक्षियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बेहतर प्रबंधन और अनुकूल प्राकृतिक वातावरण के कारण यह स्थल राज्य का प्रमुख पारिस्थितिक केंद्र बन चुका है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप की पहल पर गिधवा-परसदा न केवल जैव विविधता का आश्रय स्थल बना है, बल्कि जनजागरूकता, प्रशिक्षण और प्रकृति-आधारित पर्यटन का उत्कृष्ट केंद्र भी बन रहा है। यहां आयोजित राज्य स्तरीय बर्ड फेस्टिवल, जनसहभागिता कार्यक्रमों और संरक्षण-उन्मुख गतिविधियों ने इसे एक प्रमुख प्रकृतिक शिक्षा केंद्र का रूप दिया है। इन आयोजनों में स्थानीय समुदाय, विद्यार्थी, प्रकृति प्रेमी और विशेषज्ञ सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, जिससे न केवल जागरूकता बढ़ी है बल्कि स्थानीय आर्थिक अवसर भी विकसित हुए हैं।

छत्तीसगढ़ का प्रमुख बर्ड वॉक एवं जैव विविधता संरक्षण केंद्रः गिधवा-परसदागिधवा-परसदा परिसर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है यहां नियमित रूप से आयोजित बर्ड वॉक, फॉरेस्ट ट्रेल और नेचर ट्रेल जैसी गतिविधियाँ। इन ट्रेल्स में विद्यार्थियों और आगंतुकों को पक्षियों, पौधों और अन्य प्रजातियों की पहचान सिखाई जाती है। वन विभाग के प्रशिक्षित मार्गदर्शकों द्वारा पारिस्थितिकी, वन्यजीव संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन के बारे में सरल और वैज्ञानिक जानकारी दी जाती है। सुदृढ़ प्रबंधन, स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी तथा निरंतर प्रशिक्षण-आधारित गतिविधियों ने गिधवा-परसदा को जैव विविधता संरक्षण और इको-पर्यटन का सफल मॉडल बना दिया है। यह परिसर आज न केवल छत्तीसगढ़ का सर्वोत्तम बर्ड वॉक स्थल है बल्कि वैज्ञानिक महत्व, सामुदायिक सहभागिता और प्रकृति संरक्षण के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण भी है।

## धान खरीदी में तेज़, पारदर्शी और तकनीक आधारित प्रक्रिया से किसानों में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** बलौदाबाजार जिले में धान खरीदी महाभियान 2025 तेज़ी से और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हो रहा है। शासन एवं प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा हेतु किए गए प्रबंधों का सकारात्मक परिणाम उपार्जन केंद्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्राम रानीजरौद के प्रगतिशील किसान श्री दिलेश्वर ध्रुवजो कि 7 एकड़ भूमि में खेती करते हैं:अपने 155 कट्टा धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचे। खरीदी केंद्र में सुव्यवस्थित व्यवस्था और त्वरित प्रक्रिया से वे अत्यंत संतुष्ट दिखे।

किसान ध्रुव ने बताया कि मोबाइल में किसान तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से उन्हें कुछ ही क्षणों में टोकन प्राप्त हो गया, जिससे खरीदी प्रक्रिया और भी सरल व शीघ्र हो गई।उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था काफी बेहतर और किसान के सुविधा अनुरूप है। किसानों की सुविधा और सुझावों को ध्यान में रखते हुए उपार्जन केंद्र में एक 'समाधान पेटी' की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें किसान अपने सुझाव एवं आवश्यक जानकारी दर्ज प्रेषित कर सकते हैं। इससे प्रशासन को खरीदी व्यवस्था और अधिक मजबूत व पारदर्शी बनाने में सहायता मिलेगी। समर्थन मूल्य पर सुरक्षित, समयबद्ध और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था से किसानों का विश्वास और भी बढ़ा है। जिला प्रशासन द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों में बेहतर प्रबंधन, निगरानी और सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे खरीदी महाभियान सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

# युवा रत्न सम्मान योजना के लिए विभिन्न क्षेत्रों से आवेदन 30 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**गरियाबंद ।** खेल एवं युवा कल्याण द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में किये गये अविस्मरणीय कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसित करने की दृष्टि से 'युवा रत्न सम्मान' योजना इस वर्ष 2025-26 से लागू की गई है। इस योजनांतर्गत व्यक्तियों, संगठनों के योगदान को प्रोत्साहित करने मान्यता देने एवं प्रतिष्ठा मंडित करने के उद्येश्य से राज्य शासन ने इस क्षेत्र में कार्यरत् व्यक्तियों, संगठनों को युवा रत्न सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए आवेदन 30 नवम्बर 2025 तक आमंत्रित किए गए है। खेल विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस योजना में विभिन्न क्षेत्र जैसे- असधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य (पुरस्कार राशि 2 लाख 50 हजार रूपये एवं 5 लाख रूपये) 1 युवा तथा 1 स्वैच्छिक संगठन, सामाजिक, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण क्षेत्र, युवा रत्न सम्मान (महिला एवं बाल विकास), युवा रत्न सम्मान (मीडिया) युवा रत्न सम्मान (स्वास्थ्य), युवा रत्न सम्मान (विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी), युवा रत्न सम्मान (दिव्यांगजन), युवा रत्न सम्मान (कला एवं संगीत) एवं युवा रत्न सम्मान (लोककला) में सम्मान किया जायेगा।

जिसमें प्रत्येक क्षेत्र में 1 युवा को 1 लाख रूपये पुरस्कार राशि के साथ पदक, एक प्रमाण पत्र, एक शॉल प्रदान की जायेगी। युवा रत्न सम्मान (महिला एवं बाल विकास) के पुरस्कार में केवल महिलाओं, बालिकाओं को ही प्रदाय की जायेगी।

# नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने राजधानी रायपुर में कॉन्फेडरेसन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ एमएसएमई कॉनक्लेव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश की नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। जब नई औद्योगिक नीति तैयार हो रही थी उस समय देश के अन्य राज्यों की नीति का भी अध्ययन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अब 7 लाख 75 हजार करोड़ रूपए की निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है। निश्चित तौर पर आप सबके सहयोग से छत्तीसगढ़ नया अध्याय लिखने जा रहा है, प्रदेश में नये उद्योग धंधें स्थापित होंगे तो यहां के लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश की नई औद्योगिक नीति में अनेक रियायतें दी गई है। उद्यमियों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो प्रणाली लागू की गई है। ताकि किसी भी उद्योगपतियों को उद्योग लगानें में कठिनाई न हो। श्री देवांगन ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय नई दिल्ली की संचालक सुश्री अंकिता पांडे छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के निवासी है। जो इस कार्यक्रम में शामिल हो रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने कहा कि दो दिवसीय कॉनक्लेव का लाभ उद्यमियों को मिलेगा। इस कॉनक्लेव में उद्यमियों द्वारा विभिन्न सुझाव दिए गये इससे प्रदेश में औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा। प्रदेश सरकार द्वारा उद्यमियों को आकर्षित करने के लिए देश के महानगरों में इनवेस्टर कनेक्ट का आयोजन किया गया। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय गुजरात में आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को आमंत्रित किया।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय नई दिल्ली की संचालक सुश्री अंकिता पांडे ने कहा कि हमारा मंत्रालय देश के विभिन्न राज्यों में लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित करने में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। आज की इस कॉनक्लेव से उद्यमियों को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर सीआईआई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री संजय जैन उपाध्यक्ष बजरंग गोयल सहित सीआईआई के प्रतिनिधि उपस्थित थें।

# सिम्स बनेगा प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर आधारित स्टरलाइजेशन सिस्टमयुक्त मेडिकल कॉलेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए प्रदेश में एक नया इतिहास रच दिया है। सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है जहाँ अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आधारित एयर प्यूरीफिकेशन एवं स्टरलाइजेशन सिस्टम स्थापित किया जाएगा। इस अत्याधुनिक तकनीक की स्थापना हेतु सिम्स और SECL के बीच आज महत्वपूर्ण MOU (समझौता ज्ञापन) संपन्न हुआ। समझौते पर सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति तथा के सी. एम. वर्मा, ने हस्ताक्षर किए ।

यह अत्याधुनिक प्रणाली अस्पतालों में मौजूद पारंपरिक फिल्टर या सामान्य एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम से कई गुना अधिक प्रभावी मानी जाती है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं कि यह अस्पताल की हवा में मौजूद वायरस, बैक्टीरिया, फंगल स्पोर्स सहित सूक्ष्मजीवों को 99 प्रतिशत तक निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है, ICU, OT, वार्ड व OPD में संक्रमण नियंत्रण के लिए अत्यंत प्रभावी, ऊर्जा की बचत और लंबे समय तक स्थायी रूप से संचालन योग्य, वायु गुणवत्ता को मेडिकल-ग्रेड स्तर तक शुद्ध करने की क्षमता है। इस तकनीक के लागू होने से सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा चिकित्सा संस्थान बन जाएगा जहाँ अस्पताल परिसर की संपूर्ण हवा मेडिकल-ग्रेड स्टरलाइज्ड होगी, जिससे संक्रमण जोखिम लगभग समाप्त हो जाएगा।

SECL द्वारा स्टरलाइजेशन सिस्टम की स्थापना हेतु आवश्यक उपकरण, तकनीकी विशेषज्ञता, इंस्टॉलेशन एवं रखरखाव हेतु वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। यह सहयोग सिम्स को प्रदेश के अग्रणी हाईटेक मेडिकल सेंटर के रूप में स्थापित करेगा।

सिम्स और SECL के बीच हुआ यह समझौता प्रदेश में स्वास्थ्य-तकनीक के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल संक्रमण-रहित वातावरण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि सिम्स को एक मॉडल मेडिकल कॉलेज के रूप में स्थापित करने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

सेमीकंडक्टर एवं स्टरलाइजेशन सिस्टम की स्थापना के बाद सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बन जाएगा जहाँ अस्पताल परिसर पूर्णतः उच्च-स्तरीय, स्टरलाइज्ड एवं सुरक्षित वातावरण से सुसज्जित होगा—जो भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली का आधार बनेगा।

### जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 7 को

**गरियाबंद।** छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा 07 दिसम्बर 2025 को प्रदेश के 16 जिलों में जलसंसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 2 लाख 29 हजार 970 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस परीक्षा में प्रदेश के 33 जिले के अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस परीक्षा के लिए 16 जिले में 756 परीक्षा केंद्र बनाए गए है।

# सोनम कपूर ने दूसरी प्रेग्नेंसी कंफर्म की : बेबी बंप के साथ स्टाइलिश अंदाज में फोटो शेयर किया, कैप्शन में लिखा- मां

**सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर इंस्टाग्राम पर अनाउंस की है। सोनम ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ कई फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा- 'मदर'। इस खास मौके के लिए सोनम ने मशहूर डिजाइनर मार्गरेथा लेय का बनाया आउटफिट पहना है। एक्ट्रेस का हॉट-पिंक वूलन पैडेड सूट लुक प्रिंसेस डायना से इंस्पायर्ड है, जिसमें वो काफी स्टाइलिश भी लग रही हैं।**

अब उनके इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने एक्ट्रेस को बधाई दी है। करीना कपूर खान ने सोनम और आनंद लिख दो दिल बनाए हैं। हाल ही में मां बनीं एक्ट्रेस पत्रलेखा और परिणीति चोपड़ा ने भी अनोखे अंदाज में सोनम को बधाई दी है। वहीं सोनम के पति आनंद आहूजा ने पोस्ट पर मजेदार रिएक्शन दिया है। वो कॉमेंट में लिखते हैं- 'डबल,ट्रबल'।

### शादी के सात साल बाद सोनम दूसरी बार बन रही मां

बता दें कि शादी के सात साल बाद सोनम और उनके बिजनेसमैन पति आनंद आहूजा अपना दूसरा बच्चा एक्सपेक्ट कर रहे हैं। शादी के चार साल बाद सोनम ने बेटे वायु को जन्म दिया था। सोनम पति आनंद और बेटे वायु के साथ अधिकांश समय लंदन में रहती हैं। कपल ने अपने बेटे वायु को मीडिया और पैपराजी से दूर रखा है। समय-समय पर एक्ट्रेस अपनी मैटरनिटी जर्नी और बेटे वायु की फोटो शेयर करते रहती हैं। हालांकि, उन फोटोज में वायु का चेहरा रिवील नहीं होता है।

### 2018 में आनंद आहूजा से शादी

सोनम और आनंद के रिश्ते की बात करें तो साल 2016 में पिता अनिल कपूर के 60वें जन्मदिन पर सोनम ने आनंद आहूजा के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिकली एक्सेप्ट किया था। लंबे समय की डेटिंग के बाद एक्ट्रेस ने साल 2018 में आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी दी थी। एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'ब्लाइंड' में देखा गया था।

# अजय के साथ दोस्ती का नहीं यह रिश्ता रखती हैं रकुल प्रीत, दो फिल्मों में कर चुकी हैं अभिनेता के साथ रोमांस

रकुल प्रीत सिंह हाल ही में अजय देवगन के साथ फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आईं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि वह इंडस्ट्री में नई नहीं हैं, इसके बावजूद उन्हें अजय देवगन के मुकाबले बहुत ही कम अनुभव है। उन्होंने बताया है कि वह अजय देवगन के साथ दोस्ती का रिश्ता क्यों नहीं रख सकती।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में रकुल प्रीत सिंह ने बताया 'मैं उनके साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती। मेरा उनका रिश्ता सम्मान वाला है। मेरे लिए वह अभी भी अजय देवगन हैं। वह सीनियर अभिनेता हैं और बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं अजय देवगन को सम्मान के साथ संबोधित करती हूं।'

### अजय देवगन को सर मानती हैं रकुलप्रीत सिंह

अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह दोस्त की तरह क्यों नहीं रह सकती, इस पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा 'जो आपकी उम्र के या आपसे कम उम्र के एक्टर होते हैं, वह आपके दोस्त बन जाते हैं। अजय देवगन को मैं सर मानती हूं। मैं अपने आपको इंडस्ट्री में नई नहीं मानती, फिर भी मेरा उनसे कम अनुभव है।'

### 'दे दे प्यार दे 2' के बारे में

अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत और अजय देवगन के अलावा आर माधवन, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी, मीजान जाफरी और अर्जुन पांचाल जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज हुई थी। इसमें बड़ी उम्र के पुरुष का छोटी उम्र की लड़की के साथ रोमांस दिखाया गया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक 51.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

# रिलीज हुआ पवन सिंह का गाना 'ले जाएंगे तेरे सजना' फैंस को पसंद आ रहा म्यूजिक-डांस

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह का नया गाना 'ले जाएंगे सजना' यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर रिलीज किया गया है। गाना रिलीज होते ही दर्शकों ने इस पर प्यार बरसाना शुरू कर दिया है। पवन सिंह ने मशहूर सिंगर पलक मुच्छल के साथ मिलकर यह गाना गाया है। दर्शकों को यह जोड़ी खूब पसंद आ रही है। गाने में बेहतरीन म्यूजिक और जबरदस्त डांस है।

'ले जाएंगे तेरे सजना' गाने को शब्बीर अहमद ने लिखा है। उन्होंने ही इसका म्यूजिक दिया है। गाने को पवन सिंह और पलक मुच्छल ने आवाज दी है। गाने में देखा जा सकता है कि पवन सिंह स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। फैंस इसे बार-बार देख रहे हैं और इस पर रिएक्शन भी दे रहे हैं।

### यूजर्स को पसंद आ रहा गाना

यूट्यूब पर टी-सीरीज ने 'ले जाएंगे तेरे सजना' गाना रिलीज किया है। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'पूरा बॉलीवुड एक तरफऔर पवन सिंह एक तरफ।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आ गया अपना पावर स्टार बॉलीवुड हिलाने।' एक और यूजर ने लिखा है 'पावर स्टार पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री का सुपरस्टार है।' इसके अलावा कई यूजर्स गाने की तारीफकर रहे हैं।

### पहले साथ में किया

पवन सिंह पहले भी पलक मुच्छल के साथ काम कर चुके हैं। 2020 में दोनों ने छठ गाना 'जोड़े-जोड़े फलवा' गाया था। दर्शकों ने इस गाने को भी खूब पसंद किया था। पवन सिंह के ज्यादातर गानों को दर्शक पसंद करते हैं।

# क्या अनन्या ने अहान को दी एक्टिंग की सलाह? एक्टर ने किया खुलासा

फिल्म 'सैयारा' की रिलीज के बाद अहान पांडे बॉलीवुड का जाना पहचाना नाम बन गए हैं। म्यूजिकल ड्रामा 'सैयारा', जिसमें अनीत पड्डा भी थीं, बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। अहान पांडे का इंडस्ट्री के लोगों के साथ पहले से संपर्क है लेकिन उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें अलग पहचान दी। उनकी कजिन अनन्या पांडे बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान पांडे ने उनके बारे में बात की है।

जीक्यू इंडिया से बातचीत में अहान पांडे ने बताया 'अनन्या ने मुझे कभी कोई सलाह नहीं दी लेकिन उनके सफर ने मुझे प्रेरित किया। लोगों को अंदाजा नहीं है कि जब उसने शुरुआत की थी, तो वह कितनी छोटी थी। वह इंडस्ट्री में बड़ी हुई है। कुछ ही दिनों में एक कलाकार के तौर पर उसने बहुत नाम कमा लिया है। जब मैं देखता हूं कि मेरी छोटी बहन ऊंचाई पर जा रही है, तो मुझे गर्व होता है।'

अहान ने बताया कि उनके माता पिता पहले एक्टिंग करने के उनके फैसले को लेकर असमंजस में थे। उनके चाचा चंकी पांडे को जबरदस्त सफलता मिली है। वह घर-घर में मशहूर हो गए हैं। हालांकि उन्होंने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं।

# IFFI 2025: ओपनिंग सेरेमनी में दिखा अलग-अलग राज्यों का परेड, 50 साल पूरे करने पर तेलुगु एक्टर का सम्मान

गोवा के पणजी में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफइंडिया का आगाज हो चुका है। पहली बार IFFI का उद्घाटन एक भव्य परेड के साथ किया गया। ओपनिंग सेरेमनी में गोवा के राज्यपाल पी अशोक गजपति राजू, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राज्य मंत्री सूचना व प्रसारण मंत्रालय डॉ. एल मुरुगन मौजूद रहे। इसके अलावा देश-विदेश की कई नामी हस्तियां शामिल हुईं।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएम ने तुलसी के पौधे में पानी देकर किया। इस खास मौके पर सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सिनेमा अंतरराष्ट्रीय ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। वहीं, इफ्फी के ओपनिंग सेरेमनी में शामिल तेलुगु एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण को फिल्म जगत में 50 साल पूरे करने के लिए सम्मानित किया गया। सीएम प्रमोद सावंत ने एक्टर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

दूसरी तरफपहली बार ओपनिंग सेरेमनी में शामिल किए गए परेड में आंध्र प्रदेश, हरियाणा और गोवा की झांकियां देखने को मिली। इस परेड में देश के अलग-अलग हिस्सों के लोक कलाकारों ने हिस्सा लिया। साथ ही, फिल्म स्टूडियो द्वारा प्रदर्शन और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (ह्स्नष्ठष्ट) द्वारा 50 सालों की स्पेशल ट्रिब्यूट शामिल था।

बता दें कि IFFI की ग्रैंड ओपनिंग से पहले बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर, डायरेक्टर शेखर कपूर, तेलुगु एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण ने फेस्टिवल में वेव्स फिल्म बाजार का उद्घाटन किया था। इफ्फी 2025 में अनुपम खेर की 4 फिल्में प्रदर्शित होंगी, जिसे लेकर उन्होंने खुशी जताई है।

# केंद्रीय मंत्री शिवराज ने किया छत्तीसकला ब्राण्ड एवं डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बुधवार का दिन ग्रामीण आजीविका, महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को नई ऊर्जा देने वाला दिन रहा। जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त के राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम के अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और हजारों ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति में बहुप्रतीक्षित एकीकृत राज्य ब्राण्ड छत्तीसकला तथा डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का विमोचन किया।**

राज्य की ग्रामीण गरीब महिलाओं द्वारा निर्मित गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को एक ही पहचान और एकीकृत बाजार मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने 'छत्तीसकला' ब्राण्ड की शुरुआत की है।

इस ब्रांड के अंतर्गत वर्तमान में मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पाद, चाय, अचार, स्नैक्स, हैंडलूम एवं हस्तशिल्प निर्मित ढोकरा आर्ट, बांस शिल्प, मिट्टी एवं लकड़ी उत्पाद, अगरबत्ती एवं पूजा सामग्री जैसे विविध उत्पादों पर मानकीकरण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसकला ब्रांड ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनेगा। यह ब्राण्ड उनके उत्पादों को राज्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाएगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल फायनान्स बुकलेट का भी विमोचन किया गया, जिसमें राज्यभर की 48 बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट सखियों (बीसी सखियों) की प्रेरणादायक सफलताओं को दर्ज किया गया है।

वर्तमान छत्तीसगढ़ में कुल 3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप से घर-घर बैंकिंग सेवाएँ दे रही हैं और पिछले चार वर्षों में 3033.48 करोड़ से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो महिलाएँ कभी घरों से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, आज वही महिलाएँ गाँव-गाँव वित्तीय सेवाएँ पहुँचाकर सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन की राह बना रही हैं। इस भव्य कार्यक्रम से ग्रामीण महिला समूहों को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जिसके अंतर्गत 1080 स्व-सहायता समूहों को 1.62 करोड़ रुपए की रिवॉल्विंग निधि एवं 8340 स्व-सहायता समूहों को 50.04 करोड़ रूपए की सामुदायिक निवेश निधि, बैंक लिंकेज के रूप में 229.74 करोड़ रूपये प्रदान किये गए। इसके साथ ही 1533 महिला उद्यमियों को 6.23 करोड़ रुपए का उद्यमिता ऋण भी प्रदान किया गया है।

### ग्रामीण समृद्धि, महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की नई दिशा

धमतरी में हुआ यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का वितरण था, बल्कि 'आत्मनिर्भर ग्रामीण छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 'छत्तीसकला' ब्राण्ड, बीसी सखी मॉडल और व्यापक वित्तीय समर्थन तीनों मिलकर ग्रामीण आजीविका की दशा और दिशा बदलने वाले साबित होंगे।

# मॉडल लेबर चौक एवं डिजिटल लेबर चौक का निर्माण कराने का निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** श्रम मंत्री लखनलाल की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल कार्यालय में संचालक मंडल की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान 73 हजार 868 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों को 25 करोड़ 66 लाख रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खाते में अंतरित की गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त श्री हिमशिखर गुप्ता, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सचिव गिरीश रामटेके सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सचिव रामटेके द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पूर्व बैठक में निर्माण श्रमिकों के हित में लिए गये निर्णय के पालन प्रतिवेदन के सभी बिन्दुओ पर कार्यवाही पूर्ण होने के संबंध में अवगत कराते हुये नवीन एजेंडा बिन्दु प्रस्तावित किया गया। संचालक मंडल द्वारा प्रदेश के निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर निर्णय लेते हुये प्रदेश में मॉडल लेबर चौक एवं डिजिटल लेबर चौक का निर्माण कराने के साथ-साथ मुख्यमंत्री द्वारा 17 सितंबर 2025 को मंडल में संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के तहत प्रदाय की जाने वाली राशि रूपये 1 लाख से 1लाख 50 हजार दिये जाने की घोषणा की गई थी जिसे संचालक मंडल द्वारा सर्वसम्मिति से पारित किया गया।

बैठक में उपस्थित श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुये निर्माण श्रमिकों को बधाई देने के साथ-साथ यह भी कहा गया कि अब प्रदेश के निर्माण श्रमिक उक्त योजनांर्तगत अधिक सहायता राशि प्राप्त कर सकेंगे एवं उनकी आय में भी वृद्धि हो सकेगी। साथ ही श्रममंत्री महोदय द्वारा मंडल में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की गई।

इस अवसर सचिव श्रम, वित्त विभाग के उप सचिव, कल्याण आयुक्त भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय अन्य शासकीय विभाग के पदेन सदस्य तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# कबीरधाम जिले में 5 दिनों में 64 हजार क्विंटल धान की हुई खरीदी, 11.81 करोड़ का हुआ भुगतान भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कबीरधाम जिले में धान खरीदी अब रफ्तार पकड़ चुकी है। खरीफवर्ष 2025 के तहत बीते 15 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के अंतर्गत 5 दिनों में अब तक जिले में 64 हजार 61 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। 1377 किसानों ने खरीदी केंद्रों में पहुंचकर अपना धान बेचा है। धान खरीदी पर किसानों को 11.81 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

शासन ने किसानों की सुविधा के लिए खरीदी प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए ऑनलाइन टोकन प्रणाली के साथ खरीदी केंद्रों में सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए हैं। जिससे किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान बेचने के पश्चात भुगतान जारी करने की प्रक्रिया भी साथ साथ चल रही है। जिससे किसानों में धान खरीदी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

सरकार ने धान खरीदी को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। जिसके तहत खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टर कबीरधाम ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि खरीदी केंद्रों में धान बेचने आए किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए लगातार खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करें। उन्होंने केंद्रों में टोकन अनुसार खरीदी, धान की व्यवस्थित और त्वरित तौलाई सहित बारदाने, धान के भंडारण जैसे तमाम व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है। ऑनलाइन टोकन कटाने से लेकर खरीदी केंद्रों में तौलाई और बारदाने के इंतजाम से किसानों को धान बेचने में सहूलियत हो रही है।

खाद्य अधिकारी ने बताया कि 19 नवंबर तक जिले के 1377 किसानों से 64 हजार 61 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा लगातार टोकन कटवाया जा रहा है जिससे आने वाले दिनों में खरीदी की यह रफ्तार और बढ़ेगी।

### छत्तीसगढ़ में नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगाँठ पर ऐतिहासिक जनसहभागिता

# 6.70 लाख से अधिक लोगों ने ली नशामुक्ति की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगाँठ छत्तीसगढ़ में अभूतपूर्व जनभागीदारी और जागरूकता के साथ मनाई गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में एक विशाल जन-अभियान का स्वरूप दिखाई दिया। राज्य के सभी विभागों के समन्वय से समाज कल्याण विभाग द्वारा शपथ कार्यक्रमों का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया जिसमें हर वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम रायपुर स्थित होटल मैरियट में आयोजित हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव तथा संचालक रोक्तिमा यादव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्ति की शपथ लेकर मादक द्रव्यों के उन्मूलन का सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

543 स्थलों पर 24 हजार749 लोगों ने शपथ ली।विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 505 कार्यक्रमों में 69 हजार 356 युवाओं ने भाग लिया।7,452 विद्यालयों में 3 लाख 98 हजार 675 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया।स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्वयं सहायता समूहों के 9,355 कार्यक्रमों में 1लाख 20 हजार 410 लोगों ने नशा छोड़ने और दूसरों को प्रेरित करने की प्रतिज्ञा की।अन्य 2,103 आयोजनों में 57हजार 570 लोगों ने शपथ ली।

इस प्रकार 19 हजार 958 स्थलों पर कुल 6 लाख 70 हजार 760 लोगों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से नशामुक्त समाज का संकल्प लिया—जो राज्य में जनसहभागिता का एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

भारत सरकार द्वारा आयोजित मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर का लाइव प्रसारण छत्तीसगढ़ के सभी जिलों, विभागों, शासकीय कार्यालयों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में सामूहिक रूप से देखा गया। इससे राज्य में जागरूकता और सहभागिता को नई दिशा मिली।

नशामुक्त भारत अभियान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसके अंतर्गत जन-जागरूकता, काउंसिलिंग, उपचार और पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, शहरी प्रशासन, युवा सेवाएँ आदि विभागों को जोड़कर इसे एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह जनभागीदारी नशामुक्त समाज के लिए छत्तीसगढ़ की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वहीं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य में जन-जागरूकता, काउंसिलिंग और समुदाय आधारित गतिविधियाँ निरंतर जारी रहेंगी, जिससे छत्तीसगढ़ नशामुक्त और प्रगतिशील प्रदेश की दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगा।

छत्तीसगढ़ की इस व्यापक सहभागिता ने राष्ट्रीय स्तर पर यह मजबूत संदेश दिया है कि राज्य नशे के खिलाफ एकजुट होकर स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित है।

# महात्मा गांधी नरेगा ने बदली बुलबुलराम की किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड के ग्राम पाढ़ी निवासी बुलबुलराम पिता सुजानिक एक साधारण किसान हैं। जिनका जीवन-यापन मुख्य रूप से कृषि एवं गौवंशीय पशुपालन पर आधारित है। वे अधिक पशु पालन करना चाहते थे, परंतु उनके सामने सबसे बड़ी समस्या पशुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थान पर रखने के लिए पक्के शेड की अनुपलब्धता थी। खुले में पशुओं को रखने से न केवल सुरक्षा संबंधी जोखिम उत्पन्न होते थे, बल्कि दुग्ध उत्पादन एवं पशुसेवा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था।

बुलबुलराम की यह समस्या तब दूर हुई जब उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 68 हजार रुपए की लागत से पशुशेड निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस स्वीकृति ने उन्हें पक्का शेड निर्माण के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया तथा निर्माण कार्य के दौरान उनके परिवार के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

### दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से मिली अतिरिक्त आय

पशुओं की बेहतर देखभाल से दूध उत्पादन में वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन 3 से 4 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। ग्रामीणजन उनके घर से ही दूध 35 से 40 रुपए प्रति लीटर के दर पर खरीदते हैं। इससे बुलबुलराम को प्रतिदिन लगभग 100 से 150 रुपए की नियमित आमदनी हो रही है। इसके साथ ही परिवार को शुद्ध एवं पौष्टिक दूध प्राप्त होने से उनके स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।

पशुशेड निर्माण ने श्री बुलबुलराम के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया। अब उन्हें पशुओं को खुले में छोड़ने की आवश्यकता नहीं रही। सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण होने से पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

इसके परिणामस्वरूप बछड़े एवं बछिया की संख्या बढ़ी, जिनका विक्रय कर उन्हें अतिरिक्त आय का एक स्थायी स्त्रोत प्राप्त हुआ।

# शासन की योजनाओं का त्वरित लाभ श्रमिकों को समय पर मिलेः श्रम मंत्री देवांगन

### श्रमिकों के कल्याण हेतु नवा रायपुर में कार्यशाला को आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन नवा रायपुर में श्रम विभाग द्वारा आयोजित लैब-राइट कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रदेश के श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाए चलाई जा रही है। इन योजनाओं का त्वरित लाभ श्रमिकों को समय पर मिले इस उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से आए श्रम विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। श्रम मंत्री देवांगन ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता, अपर श्रमायुक्त एस.एल. जागड़े, सविता मिश्रा, उपायुक्त श्रम सूर्यभान पैकरा, डीपी तिवारी सहित जिलों से आए श्रम अधिकारी उपस्थित थे।

श्रम मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाए संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर डीबीटी के जरिए आर्थिक मदद दी जा रही है। श्री देवांगन ने कहा कि श्रमिकों के साथ-साथ उनके बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए भी सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने जिलों से आए श्रम अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई श्रमिक पंजीयन कराने आता है तो दस्तावेज की कमी के कारण उनका आवेदन निरस्त न करें, जो भी कमी है उसे पूरा कराने में मदद करें। उन्होंने कहा कि श्रम कार्ड से श्रमिकों को अनेक लाभ है। जो पंजीकृत श्रमिक है उनका समय पर पंजीयन हो जिससे शासन की योजनाओं को लाभ मिलता रहें। श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। यह तभी संभव है जब हर विभाग अपना बेहतर प्रदर्शन करें। लोगों की समस्याओं का समय पर निदान हो। उद्योग एवं श्रम विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें।

श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने कहा कि लैब-राइट कार्यशाला के जरिए श्रमिकों के बेहतरी के लिए और बेहतर कदम उठाए जाएंगे। प्रदेश में धान कटाई के बाद श्रमिक काम की तलाश में अन्य राज्यों का रूख करते है। इस पर हमें अंकुश लगाने की जरूरत है। श्रम सचिव श्री गुप्ता ने श्रम विभाग के मैदानी अधिकारियों को विभाग की योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ श्रमिकों दिलाने के निर्देश दिए।

# सुगम धान खरीदी से बढ़ा किसानों का आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश में किसानों की समृद्धि और कृषि को नई दिशा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लागू की गई समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था अब और अधिक पारदर्शी, सरल एवं किसान-केंद्रित बन चुकी है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर से पूरे छत्तीसगढ़ में हो चुका है, जिसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं।

धमतरी जिले में धान खरीदी के प्रति किसानों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। जिले के 100 उपार्जन केंद्रों में 19 नवंबर तक 3 हज़ार 431 किसानों से कुल 1 लाख 56 हज़ार 761 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। यह व्यवस्था किसानों के बढ़ते भरोसे को और मजबूत करता है।

इसी भरोसे की आवाज बने ग्राम संबलपुर उपार्जन केंद्र में धान बेचने पहुंचे किसान दीपेश कुमार देवांगन। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान बेचने की प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सुगम और पारदर्शी है। ऑनलाइन टोकन सिस्टम ने उनके लंबे इंतजार की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। निर्धारित समय पर टोकन मिलने से न भीड़ होती है और न ही अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है। दीपेश ने इस बार 76 क्विंटल धान बेचा है।

जो पिछले वर्ष की मात्रा के लगभग बराबर है। उनका कहना है कि पिछले वर्ष समय पर भुगतान मिलने से खेती के कार्यों में बड़ा लाभ हुआ था, और इस वर्ष भी उन्हें शीघ्र भुगतान की उम्मीद है। धान बेचकर प्राप्त धन को वे कृषि सुधार, बीज-खाद की खरीदी और पारिवारिक आवश्यकताओं में उपयोग करते हैं। यहाँ व्यवस्था अनुकरणीय है और कर्मचारियों का सहयोग प्रशंसनीय। हमारी मेहनत का सही मूल्य मिल रहा है।

दीपेश की तरह हंसराज, शत्रुघन सहित अन्य किसानों ने भी खरीदी व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलावों की प्रशंसा की। उनका मानना है कि इस वर्ष प्रशासन द्वारा किए गए सुधारों के कारण प्रक्रिया अत्यंत सहज हो गई है—बेहतर व्यवस्थापन, त्वरित मापन, ऑनलाइन पारदर्शिता और अधिकारियों की सतत निगरानी ने किसानों का भरोसा कई गुना बढ़ाया है।

## खास खबर

### माओवादियों की साजिश नाकाम, 10 किलो का कमांड आईईडी बरामद

**बीजापुर।** सुरक्षाबलों ने एक फिर माओवादियों की साजिश नाकाम कर दी है। जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के चिहका उसपरी मार्ग पर गश्त एवं सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने 10 किलोग्राम का शक्तिशाली कमांड आईईडी बरामद कर मौके पर ही उसे नष्ट कर दिया। थाना भैरमगढ़ एवं बीजापुर बीडीएस टीम संयुक्त रूप से उसपरी क्षेत्र में नियमित गश्त-सर्चिंग पर निकली थी। इसी दौरान मार्ग पर संदिग्ध रूप से इलेक्ट्रिक तार दिखाई दिया। टीम ने तत्परता दिखाते हुए आसपास के इलाके को सघन रूप से खंगाला। खोजबीन के दौरान पाया कि एक स्टील टिफिन में आईईडी छिपाया गया, जोकि लगभग 10 किलो का था, जिसे सुरक्षा बलों की बीडीएस टीम ने पूरी सावधानी के साथ मौके पर ही सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। समय रहते विस्फोटक के पकड़े जाने से एक बड़ी घटना टल गई।

### तेज रफ्तार की वजह से आधे किमी के दायरे में पलटी दो हाइवा

**पाटन।** दुर्ग से अभनपुर राज्य मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। सिक्सलेन सड़क निर्माण में लगे भारी वाहन ट्रिप पूरा करने के चक्कर में तेज गाड़ी चलाते हैं। वहीं महानदी से रेत भरकर दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव जाने हाइवा चालक भी काफी रफ्तार में चलते हैं। पाटन की सीमा के बाद पाटन तक कई खतरनाक मोड़ हैं, जिसमें भी गाड़ी की गति कम नहीं होती। सड़क चौड़ी है, लेकिन किनारे की झाड़ियां फैलकर सड़क तक पहुंच गई है, जिससे सड़क का दूसरा छोर नजर नहीं आता। इससे दुर्घटनाएं बढ़ी है। इसी वजह से गुरुवार की सुबह 11.30 बजे सोनपुर रोड से पाटन की ओर आ रही दो हाइवा एक किलोमीटर के दायरे में पलट गई। उसमें फ्लाई एश राखड़ भरी थी। हाइवा क्रमांक - सीजी 13 बीए 5886 खम्हरिया पुल पर और हाइवा क्रमांक - सीजी 13 बीबी 6068 खम्हरिया पेट्रोल पंप के 200 मीटर आगे मोड़ पर पलटी। हाईवा क्रमांक 5886 के चालक को गंभीर चोटे आई है। दोनों चालकों को 112 पाटन की टीम पाटन सरकारी अस्पताल ले गई है, जहां उनका इलाज जारी है।

# तंबाकू नहीं देने पर दोस्त की हत्या सीने पर लात मारने से हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में तंबाकू नहीं देने पर युवक ने दोस्त की पीट-पीटकर हत्या कर दी। आग तापने के दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोनकेल-चराईखारा की है।

जानकारी के मुताबिक अशोक राम (35) और संदीप एक्का (35) गांव के ही एक दोस्त के घर के आंगन में आग ताप रहे थे। इसी दौरान संदीप ने अशोक से तंबाकू मांगी। जिस पर अशोक ने मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों झगड़ा करने लगे। इस दौरान संदीप ने अशोक की छाती पर लात मार दी। अशोक के सीने में तेज दर्द होता रहा। अगले दिन उसने परिजनों को अस्पताल चलने कहा। लेकिन उसकी अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर केस दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार किया। अशोक राम और संदीप एक्का मजदूरी करते थे। 18 नवंबर की शाम करीब 6 बजे आग ताप के दौरान संदीप ने अशोक से तंबाकू मांगी। अशोक ने पैसे की कमी का हवाला देते हुए रोज-रोज तंबाखू देने से इनकार कर दिया। जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अशोक अपने घर की ओर चला गया, लेकिन संदीप उसके पीछे-पीछे घर तक पहुंच गया। वहां संदीप ने अशोक को मुक्के मारकर जमीन पर गिरा दिया और उसके सीने में जोर से लात मारी। मारपीट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गांव वालों ने घटना की जानकारी सरपंच को दी। सरपंच मौके पर पहुंचे तो अशोक ने बताया कि संदीप एक्का ने उसके सीने में लात मारी थी। अशोक ने अगले दिन सुबह अस्पताल जाने की बात कही।

19 नवंबर की सुबह अशोक राम को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। अशोक के चाचा विद्याधर राम (57) ने नारायणपुर थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी संदीप एक्का के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 332(ए) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

### तंबाखू मांगने के नाम पर विवाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि नारायणपुर क्षेत्र में एक गांव के दो व्यक्ति के मध्य तंबाखू मांगने के नाम पर विवाद हुआ था, मारपीट में घायल व्यक्ति की अस्पताल लेते वक्त मृत्यु हो गई, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जाएगा। पूरी कार्रवाई में मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी नारायणपुर उप निरीक्षक राजकुमार कश्यप, प्रधान आरक्षक उमेश मिंज, पुरन चंद पटेल , आरक्षक इसदोर एक्का व नगर सैनिक ओम प्रकाश यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

## नक्सली हिड़मा व उसकी पत्नी राजे का गृहग्राम पुवर्ती में हुआ अंतिम संस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**सुकमा।** छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा पर दो दिन पहले हुई मुठभेड़ में ढेर नक्सली माडवी हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का सुकमा जिले के पूवर्ती गांव में अंतिम संस्कार किया गया। सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी निगरानी के बीच हिड़मा के पैतृक गांव पूवर्ती में सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटी।

इस दौरान हिड़मा की मां शव से लिपटकर जोर-जोर से विलाप करती रही। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए हिड़मा के शव को काले पैंट-शर्ट पहनाकर अंतिम यात्रा निकाली गई, जबकि उसकी पत्नी राजे को लाल जोड़े में पारंपरिक रीति-रिवाज से विदाई दी गई। परिजनों ने पहले ही शासन-प्रशासन से मांग की थी कि शव गांव में ही अंतिम संस्कार के लिए शव दिया जाये। उनकी मांग पर सहमति देने के बाद दोनों के शव शनिवार देर शाम गांव पहुंचाए गए, जिसके बाद सुबह से ही चारों तरफ के गांवों से लोग पहुंचे। अंतिम संस्कार के दौरान चार पांच गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में जुटे। बता दें 18 नवंबर को हुए संयुक्त अभियान के दौरान छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों ने सात नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें हिड़मा और उसकी पत्नी राजे भी शामिल थे। 35 वर्ष की उम्र में वह करीब 300 से अधिक हत्याओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहा। लगभग दो दशक तक वह नक्सली संगठन की दंडकारण्य स्पेशल ज़ोनल कमेटी का सक्रिय चेहरा रहा। उसके सिर पर कई राज्यों में मिलाकर करोड़ों का इनाम घोषित था। हिड़मा पर 2010 में हुई दंतेवाड़ा बस हमला, 2013 का झीरम घाटी कांड, कई आईईडी विस्फोट, पुलिस-बलों पर हमले और ग्रामीणों की हत्या सहित सैकड़ों संगीन आरोप थे। राजे भी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाती थी और कई मामलों में सह-आरोपी थी।

# सौतेले पिता की पिटाई से ढाई साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र के हीरापुर सतनामी पारा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां ढाई साल के प्रशांत सेन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जांच में पता चला कि मासूम कई दिनों से शारीरिक अत्याचार का शिकार था। इस मामले में पुलिस ने बच्चे की मां रेशमी ताम्रकार और उसके साथी आसिब खान को गिरफ्तार किया है। मंगलवार दोपहर बच्चा अचानक बेहोश हो गया, जिसके बाद उसे परिजन एम्स रायपुर लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों और अंदरूनी क्षति की वजह से बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है कि प्रशांत की मौत अननेचुरल डेथ है। डॉक्टरों ने उसके शरीर पर दर्जनों चोटों के निशान, टूटे हुए कई फ्रैक्चर और गहरे घाव मिलने की पुष्टि की। पुलिस पड़ताल में सामने आया कि आरोपी आसिब खान बीते आधे महीने से बच्चे को लगातार मारता-पीटता था। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने माना कि वे बच्चे को समय-समय पर पीटते थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि रेशमी ताम्रकार सब कुछ

जानते हुए भी अत्याचार को छिपाती रही। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बच्चा पहले भी घायल दिखाई देता था, मगर मां हर बार बीमारी या गिरने का बहाना बना देती थी। मासूम की मौत के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाता तो शायद बच्चे की जान बच सकती थी।

मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 238 और 3(5) के तहत हत्या और क्रूरता का मामला दर्ज किया गया है। दोनों को हिरासत में लेकर पुलिस विस्तृत पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बच्चे पर पहले भी हिंसा की गई थी या नहीं।

### धान के अवैध भंडारण, परिवहन, विक्रय पर जिला प्रशासन सख्त

**कोरबा।** खरीफ वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुसार समर्थन मूल्य पर पंजीत किसानों से धान उपार्जन कार्य तेजी से जारी है। इसी के साथ अवैध धान विक्रय और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में शुक्रवार की सुबह विकासखंड पाली के ग्राम निरधी में कार्रवाई की गई। नायब तहसीलदार पाली सुजीत कुमार पाटले, राजस्व निरीक्षक, अंजली पैकरा द्वारा अवैध रूप से भंडारित 20 क्विंटल धान को मौके पर जब्त किया गया। ग्रामीण द्वारा भंडारित धान के सम्बंध में किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर उक्त धान को राजस्व विभाग ने अपने कब्जे में लेते हुए कोटवार पोड़ी की अभिरक्षा में पंचायत भवन पोड़ी में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन द्वारा अवैध धान के परिवहन, भंडारण एवं विक्रय पर इसी प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# डैम का तटबंध टूटने से सीएसईबी प्लांट में घुसा पानी, कर्मियों ने भागकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** दर्री स्थित सीएसईबी प्लांट में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे बड़ा हादसा हो गया। स्टाफ डैम का तटबंध टूटने से पॉवर प्लांट के अंदर पानी घुस गया, जिससे प्रोडक्शन ठप पड़ गया। प्लांट में पानी भरता देख वहां काम कर रहे कर्मचारी जान बचाकर भागे। स्टाफ डैम का तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी पॉवर प्लांट के अंदर जा घुस गया. इस दौरान प्लांट के अंदर मैजूद कर्मचारियों में भगदड़ मच गई, कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई।

वहीं प्लांट की मशीनों में पानी घुस जाने से प्रोडक्शन ठप पड़ गया है। पूरे घटनाक्रम को प्लांट प्रबंधन की लापरवाही बताया जा रहा है, डैम में पहले से दरार थी, जिसके संबंध में कर्मचारियों ने अधिकारियों को अवगत किया था, लेकिन अधिकारियों ने समय रहते खामी को दुरुस्त करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया, जिसकी

वजह से आज का हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि अचानक से यह घटना सामने हुई और एकाएक प्लांट के अंदर पानी घुसने लगा। मौजूद कर्मचारियों को समझ नहीं आ रहा था कि इतना पानी आखिर कहां से आ रहा है फिर थोड़ी देर बाद मंजर बदल गया और देखते ही देखते प्लांट के अंदर पानी का स्तर बढ़ने लगा। वहीं घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को बंद कर दिया गया, इसके अलावा प्लांट के बाईपास मार्ग को भी लोगों की आवाजाही के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। घटना के बाद प्लांट में घुसे पानी को निकालने का काम किया जा रहा है, वहीं तटबंध को बनाने के लिए अधिकारी-कर्मचारी जुटे हुए हैं।

इस हादसे से प्लांट को हुए नुकसान का आकलन समय आने पर किया जाएगा, लेकिन प्लांट का ठप हुआ विद्युत उत्पादन कब से शुरू हो पाएगा, इसका भी जवाब जिम्मेदार नहीं दे रहे हैं।

ष्टस्श्वक्चप्लांट में हादसा: डैम का तटबंध टूटने से प्लांट में घुसा पानी, उत्पादन ठप; कर्मियों ने भागकर बचाई जान

# सरकारी जमीन पर अवैध उत्खनन का भांडाफोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोंडागांव।** कोंडागांव में खुटडोबरा उच्च प्राथमिक शाला के सामने स्थित राजस्व विभाग की सरकारी भूमि पर अवैध मुरूम उत्खनन का मामला सामने आया है। बुधवार दोपहर माइनिंग विभाग को सूचना मिली थी कि कोंडागांव कलेक्ट्रेट से कुछ दूरी पर बिना अनुमति मुरूम मिट्टी की खोदाई की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि ग्राम कोंडागांव के खुटडोबरा स्कूल के पास खसरा नंबर 670/1 क की सरकारी भूमि, जो बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में आती है, बताया गया कि भूमि मरम्मत के नाम पर बाईपास सड़क निर्माण विभाग द्वारा बिना किसी भी प्रकार की वैध अनुमति के करीब 0.202 हेक्टेयर क्षेत्र में मुरूम की खोदाई की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्व विभाग, वन विभाग और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान भाजपा नेता मनीष साहू भी स्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्वीकार किया

कि उत्खनन कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा था और इसके लिए किसी भी विभाग से अनुमति नहीं ली गई थी। अधिकारियों ने इसे अवैध खनिज उत्खनन का मामला मानते हुए जेसीबी को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

माइनिंग विभाग के मुताबिक, बिना अनुमति सरकारी भूमि में किसी भी प्रकार का खोदाई का कार्य प्रतिबंधित है, ऐसे में संबंधित व्यक्तियों और निर्माण अमले पर नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन अवैध उत्खनन पर सख्ती से निगरानी रख रहा है और भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

# रामानुजगंज में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, कफ सिरप तस्करी का भांडाफोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बलरामपुर।** नशे के बढ़ते कारोबार पर नकेल कसने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने रामानुजगंज में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा ने गुरुवार को एक विशेष अभियान के तहत प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी में लिप्त तीन सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 140 नग 'ओनरेक्स कफसिरप' भी जब्त किया गया है। यह नगर में नशे के खिलाफ विभाग की दूसरी बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। हाल ही में रामानुजगंज में नशे के सेवन से दो युवाओं की हुई दुखद मौत के बाद आबकारी विभाग द्वारा इस तरह के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को 16 नवंबर को एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि पलटन घाट क्षेत्र में दो सप्लायर, राहुल गुप्ता और सरफराज अंसारी, बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप की

खरीद-फरोख्त करने वाले हैं। इस सूचना के आधार पर, उड़नदस्ता टीम ने तुरंत एक योजना बनाई और पलटन घाट मार्ग पर घेराबंदी कर दी। इस दौरान, घेराबंदी के दौरान दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया।

तलाशी लेने पर, राहुल गुप्ता की होंडा एक्टिवा से 80 नग और सरफराज अंसारी की प्लैटिना बाइक से 60 नग 'ओनरेक्स कफ सिरप' बरामद हुआ। दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की धारा 21(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब पकड़े गए दोनों सप्लायरों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने खुलासा किया कि यह प्रतिबंधित कफ सिरप उन्हें वार्ड क्रमांक 3 निवासी प्रवीण कश्यप द्वारा सप्लाई किया गया था। इसके बाद, आरोपियों ने पैसे के बहाने प्रवीण कश्यप को बुलाया। जैसे ही वह मौके पर पहुंचा, उड़नदस्ता टीम ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। प्रवीण कश्यप के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) एवं 29 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

### तीनों आरोपी जेल रिमांड पर

20 नवंबर को, तीनों गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय, रामानुजगंज में पेश किया गया। न्यायालय ने तीनों को जेल भेजने का आदेश दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र के नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। इस सफल अभियान में आबकारी उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, मुख्य आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह तथा महिला सैनिक अंजू एक्का की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने इस संबंध में कहा कि नशे के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी। विभाग इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।


**कार्यालय, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.)**

E-mail-bmogunderdehi@yahoo.com ph.No.: -0788-2628142

क्रमांक/स्था./2025-26/3384 गुण्डरदेही, दिनांक-19/11/2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि विकासखंड - गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.) के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-गुण्डरदेही, अर्जुन्दा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-भरदाकला, खुरसुनी, सांकरी, सिरसिदा, कुरदी, माहुद (बी), कलंगपुर, रनचिरई, बेलौदी, गुरेदा में राज्य शासन के नियमानुसार प्रसूति महिला एवं भर्ती मरीजों को नाश्ता एवं भोजन प्रदाय हेतु उक्त निविदा महिला स्व-सहायता समूह, अलाभकारी संस्था, भोजनालय एवं केटरर्स व अन्य फर्मों से मोहरबंद निविदायें जीवित पंजीकृत संस्थाओं से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी सम्बंधित संस्था के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिये रू.-1000.00 (एक हजार रुपये) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिये रु.-500.00 (पांच सौ रुपये) की राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट NRHM FUND ACCOUNT BLOCK GUNDERDEHI के नाम से जमा कर अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुण्डरदेही से अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं। प्राप्त निविदा प्रपत्र को मुहरबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कोरियर के माध्यम से ही जमा किया जाना होगा।

| क्र. | विवरण | निर्धारित तिथि |
|---|---|---|
| 1 | निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि | 16.12.2025 शाम 5 बजे तक |
| 2 | निविदा जमा करने की अंतिम तिथि | 17.12.2025 दोपहर 2.00 बजे तक |
| 3 | निविदा खोले जाने की तिथि | 17.12.2025 दोपहर 3.00 बजे |
| 4 | निविदा खोले जाने का स्थान | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुण्डरदेही विकासखंड-गुण्डरदेही जिला-बालोद (छ.ग.) |

टीप:- निविदा खोलने का समय, स्थान, दिनांक अपरिहार्य कारणों से परिवर्तित किया जा सकता है। जिसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल में दिया जावेगा। व्यक्तिगत रूप से सूचना हीं दी जावेगी।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-गुण्डरदेही जिला-बालोद ( छ.ग. )

जी-252604923/4

# आदिवासी परिवारों को शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और विकास के मिल रहे नए अवसर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

## जनजातीय नायकों की गौरवगाथा को संरक्षित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'आदि कर्मयोगी अभियान', 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' तथा 'प्रधानमंत्री जनमन अभियान' को जनजातीय समाज के उत्थान हेतु महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएँ देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों को शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और विकास के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। राष्ट्रपति मुर्मु अम्बिकापुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है, और इसकी झलक बस्तर की 'मुरिया दरबार' जैसी जनजातीय परंपराओं में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा की जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध और आपस में जुड़ी हुई है।**

उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति भवन में 'जनजातीय दर्पण' संग्रहालय की स्थापना की गई है, तथा वहां आदिवासी कला और संस्कृति को विशेष स्थान दिया गया है। राष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाने, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय बनाने और शासकीय योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आयोजित 'आदि कर्मयोगी' राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के आदिवासी विकास विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उनकी पूरी टीम को बधाई दी। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस अपनी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और उन वीर पूर्वजों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने जनजातीय इतिहास को गौरवशाली अध्यायों से भर दिया। समारोह में उपस्थित देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का सम्मान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचने की उनकी प्रेरक यात्रा पूरे भारत के लिए उदाहरण है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने उनके व्यक्तित्व और संघर्ष के कई प्रेरक प्रसंगों को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने नशाखोरी, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ साहसिक अभियान चलाया।

उनके नेतृत्व में हुआ 'उलगुलान' ब्रिटिश शासन को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक आंदोलन था, जिसने जनजातीय स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, राजा गेंद सिंह, कंगला मांझी, वीर सीताराम कंवर और गुंडाधुर जैसे महानायकों ने अपने बलिदान और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन और जनजातीय गौरव को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। उनका योगदान प्रदेश की स्मृतियों में सदा अमर रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि राष्ट्रपति जी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद इस समारोह में शामिल होकर प्रदेश की गरिमा बढ़ाई है। कुछ दिन पूर्व नक्सल पीड़ित परिवारों से राष्ट्रपति की भेंट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रत्येक पीड़ित से आत्मीयता से हाल-चाल जानकर अपनी ममतामयी छवि प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास अत्यंत समृद्ध है और यहाँ के आदिवासी समाज ने देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान दिया है। हाल ही में 1 नवम्बर को आयोजित रजत महोत्सव में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी उपस्थित थे और उन्होंने आजादी की लड़ाई से जुड़े आदिवासी महापुरुषों पर आधारित म्यूज़ियम का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि जनजातीय विद्रोह के नायकों की स्मृति को सहेजने हेतु शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-संग्रहालय का निर्माण किया गया है, जिसे राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा जनता को समर्पित किया गया।

यह देश का पहला जनजातीय संग्रहालय है, जिसमें डिजिटल माध्यम से जनजातीय गौरवगाथा को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के करकमलों से आज जनजातीय विद्रोह के नायकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारजनों का सम्मान होना सभी के लिए गौरव का विषय है। साथ ही जनजाति एवं उपजनजाति प्रमुखों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने ज्ञान और अनुभव से समाज को निरंतर जागरूक कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 53 विकासखंडों की 2,365 बसाहटों में तीव्र गति से विकास कार्य हो रहे हैं, इसी प्रकार, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत राज्य के 32 जिलों के 6,691 गांवों में विकास के कार्यों का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों की संग्रहण राशि 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये कर दी गई है तथा चरण पादुका वितरण पुनः प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में है, और मार्च 2026 तक इसके समूल नष्ट होने के लक्ष्य की ओर प्रदेश तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के चलते नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास का उजाला पहुँचा है। आकर्षक पुनर्वास नीति के कारण कई भटके हुए लोग मुख्यधारा से जुड़कर सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और सरकार की विभिन्न योजनाओं से जनजातीय समाज निरंतर लाभान्वित हो रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड या जनजाति समाज के नायक ही नहीं थे बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए स्वाभिमान, सम्मान, गौरव, गरिमा और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का हर क्षण जनहित और स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने समाज को संगठित किया, उन्हें आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक योद्धा नहीं बल्कि एक समाज सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु भी थे। उनका जीवन यह सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति चाहे उसका जन्म किसी भी समाज में हुआ हो अगर उसके भीतर सच्ची लगन और आत्मबोध है तो वह इतिहास बदल सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश भर के जनजाति समाज के महानायक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, महापुरुषों को चिन्हित करके उन्हें इतिहास में उचित स्थान दिया जा रहा है। जनजाति समाज के महापुरुषों के जन्म स्थलों पर स्मारक बनाए जा रहे हैं।

जनजाति समाज के लोग के पूजा स्थलों को चयनित कर उनका पुनरुत्थान किया जा रहा है। आदिम जाति विकास विभाग मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया।

उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों और प्रेरणा से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती से जनजातीय गौरव दिवस की परंपरा प्रारंभ हुई और आज उनकी 151वीं जयंती पर देशभर के जनजातीय समाज का पुनः एकत्रित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण इतिहास को स्मरण करना, उसे सुरक्षित रखना और भविष्य की दिशा को प्रेरित करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

### नर्तक दल हुए पुरस्कृत

समारोह में राष्ट्रपति मुर्मु ने शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले लिंगो गोटूल मांदरी नाचा पार्टी कोंडागांव एवं उत्तर छत्तीसगढ़ जनजातीय लोक कला महोत्सव (करम महोत्सव) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जय माता दी करमा नृत्य पार्टी कांसाबेल के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को भगवान बिरसा मुंडा के साहस को प्रदर्शित और राज्यपाल ने भित्ती चित्रकला से जुड़े स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी, पर्यटन संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, वन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणी महाराज, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक किरण सिंह देव, महापौर अम्बिकापुर श्रीमती मंजुषा भगत भी उपस्थित थी।

### राष्ट्रपति ने अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ में 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई

**रायपुर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, सरगुजा में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है, जो लोकतंत्र की जननी है। इसके उदाहरण प्राचीन गणराज्यों के साथ-साथ कई जनजातीय परंपराओं में भी देखे जा सकते हैं, जैसे कि बस्तर में 'मुरिया दरबार' जो आदिम लोगों की संसद है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय विरासत की जड़ें छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों में गहरी हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ सरकार ने 1 नवंबर से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़े को बड़े स्तर पर मनाया। राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि पिछले एक दशक में, जनजातीय समुदायों के विकास और कल्याण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर योजनाएँ विकसित और कार्यान्वित की गई हैं। पिछले वर्ष, गांधी जयंती के अवसर पर 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' शुरू किया गया था। इस अभियान का लाभ देश भर के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय भाई-बहनों तक पहुँचेगा। वर्ष 2023 में, 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन अभियान) शुरू किया गया। ये सभी योजनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार जनजातीय समुदायों को कितनी प्राथमिकता देती है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदायों के विकास प्रयासों को नई ऊर्जा देने के लिए, भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के वर्ष के दौरान 'आदि कर्मयोगी अभियान' शुरू किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अभियान के तहत देश भर में लगभग 20 लाख स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये स्वयंसेवक जमीनी स्तर पर काम करके जनजातीय समुदायों का विकास सुनिश्चित करेंगे।

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि छत्तीसगढ़ सहित देश भर में लोग वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो पाएगा। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि हाल ही में आयोजित 'बस्तर ओलंपिक्स' में 1,65,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय महापुरुषों के आदर्शों का पालन करते हुए, छत्तीसगढ़ के लोग एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे।

# नई शिक्षा नीति में कौशल उन्नयन महत्वपूर्णः गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। दुर्ग जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) द्वारा अछोटी में दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक समय में केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल आधारित प्रशिक्षण भी आवश्यक है।**

उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल उन्नयन ही विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाएगा और उन्हें बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप सक्षम बनाएगा।

कार्यशाला के दौरान शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री यादव ने व्यवसायिक शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि रोजगारमुखी शिक्षा और आधुनिक कौशल विकास को पाठ्यक्रम से जोड़ने की दिशा में यह कार्यशाला महत्वपूर्ण पहल है।

मंत्री यादव ने बताया कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही कौशल शिक्षा, प्रायोगिक अधिगम, डिजिटल साक्षरता और व्यवसायिक प्रशिक्षण से जोड़ने की व्यवस्था की गई है। इससे भविष्य में युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर प्राचार्य डाइट पी. सी. मर्कले, डॉ. शिशिरकला भट्टाचार्य, श्रीमति संध्या शर्मा, डॉ. नीलम दुबे, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. एच. के. साहू सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

# राष्ट्रपति मुर्मू ने जशक्राफ्ट के उत्पादों की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** जनजातीय गौरव दिवस 2025 के अवसर पर 20 नवम्बर 2025 को पी.जी. कॉलेज मैदान अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।

कार्यक्रम में जशपुर वनमंडल की ओर से जशक्राफ्ट ब्रांड के अंतर्गत एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल में वन प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों बाँस एवं सवई यास-से निर्मित आकर्षक हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इनमें मुख्य रूप से झुमके, माला, टोपी सहित अन्य पारंपरिक आभूषण एवं उपयोगी सामग्री शामिल थीं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जशक्राफ्ट के हस्तशिल्प उत्पादों को देखकर विशेष प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय कारीगरों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं उनका उपयोग करते हुए विकसित की गई इन पारंपरिक कलाकृतियों को सराहा। जशक्राफ्ट उत्पादों की इस सराहना से स्थानीय ग्रामीणों एवं कारीगरों में उत्साह का संचार हुआ है।

इससे न केवल आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय कला एवं हस्तकला को भी व्यापक पहचान प्राप्त होगी।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय समाज प्रमुखों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सरगुजा जिले में 20 नवम्बर को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार दुर्गा दास उईके, राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार तोखन साहू, आदिम जाति विकास विभाग कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम, प्रभारी मंत्री जिला सरगुजा एवं वित्त वाणिज्यिक कर विभाग मंत्री ओमप्रकाश चौधरी, पर्यटन संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग मंत्री राजेश अग्रवाल, वन एवं जलवायु परिवर्तन परिवहन सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, उत्तर रायपुर विधायक पुरंदर मिश्रा, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, महापौर अम्बिकापुर श्रीमती मंजुषा भगत भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने जनजातीय समाज प्रमुखों, पीवीटीजी समुदाय के समाज प्रमुखों, जनजातीय समाज के उत्थान में विशेष योगदान देने वालों, जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम में सेनानियों के परिजनों से भेंट की। श्रीमती मुर्मू ने इन सभी के साथ समूह फेटो खिंचवाई।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले जनजातीय जननायकों एवं सेनानियों के परिजनों का सम्मान किया। राष्ट्रपति ने सोनाखान क्रांति के जननायक शहीद वीर नारायण सिंह एवं शहीद वीर नारायण सिंह के सेनापति, परलकोट क्रांति के जननायक शहीद गेंदसिंह, झण्डा सत्याग्रह के जननायक सुकदेव पातर, भूमकाल क्रांति के जननायक बन्टु धुरवा, जंगल सत्याग्रह के जननायक शहीद रामधीन गोड़, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजनाथ भगत एवं माझी राम गोंड़ के परिजनों से भेंट की।

राष्ट्रपति ने बिरहोर जनजाति के राजेश बिरहोर, अबुझमाड़िया जनजाति के रामजी ध्रुव, बैगा जनजाति के एतवारी राम मछिया एवं पहाड़ी कोरवा जनजाति के जोगीराम से सौजन्य भेंट की और हाल-चाल पूछा। राष्ट्रपति ने इसी तरह उरांव जनजाति के मंगल उरांव, नगेशिया जनजाति के धनराम नागेश, खैरवार जनजाति के वीर सिंह खैरवार, कंवर जनजाति के संजय सिंह, नागवंशी जनजाति के लक्कू राम नागवंशी, मुरिया जनजाति के धनीराम शोरी, गोंड़ जनजाति के मोहन सिंह, पंण्डो जनजाति के विनोद कुमार पंण्डो एवं चेरवा जनजाति के डी.एन. चेरवा से भी भेंट की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कार्यक्रम के दौरान पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलीं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने उनका कुशल क्षेम जाना और उन्हें शॉल भेंट की।

बसन्त पण्डो ने राष्ट्रपति को बताया कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद जब वर्ष 1952 में अंबिकापुर आए थे, तब वे 08 वर्ष के थे। राष्ट्रपति ने बसन्त पण्डो को गोद लिया और उनका नामकरण किया था। बसंत पण्डो को गोद लेने के बाद, पण्डो जनजाति को 'राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र' कहलाने का दर्जा प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बसन्त पण्डो को कहा कि आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950